वर्ष :: 33 अंक : 17
पृष्ठ : 08 :: मूल्य 2 रुपए मात्र

आवश्यक सूचना
'**मिथिला वर्णन**' का अगला अंक 29 जनवरी की जगह उसके पूर्व '**गणतंत्र दिवस**' के अवसर पर आगामी 26 जनवरी, 2023 को प्रकाशित होगा। आशा है, पाठकों का सहयोग हमें पूर्ववत मिलता रहेगा। - **संपादक**

प्रकाशन का 33 वां वर्ष
/mithilavarnan

मिथिला वर्णन

स्वच्छ पत्रकारिता, स्वस्थ पत्रकारिता

झारखंड-बिहार का लोकप्रिय हिन्दी साप्ताहिक

पूरे परिवार के लिये आध्यात्मिक पत्रिका
अवश्य पढ़ें-

निखिल-मंत्र-विज्ञान
14ए, मेनरोड, हाईकोर्ट कॉलोनी, जोधपुर (राज.)
फोन : (0291) 2624081, 263809

बोकारो :: रविवार, 22 जनवरी, 2023 News & E-paper : www.varnanlive.com E-mail : mithilavarnan@gmail.com

अब साइंस सिटी भी बोकारो से छिनने के आसार

फिर खतरे में ड्रीम प्रोजेक्ट

कार्यालय संवाददाता
बोकारो : जो बोकारो कभी मिनी भारत के रूप में जाना जाता था, शिक्षा, संस्कृति सहित कतिपय क्षेत्रों में धनी होने का गौरव जिस शहर को पूरे देश में प्राप्त था, एक सोची-समझी राजनीतिक साजिश के तहत उस शहर की पहचान मिटाने के प्रयास किये जा रहे हैं। दरअसल, अविभाजित बिहार के लोकप्रिय नेता और दादा (बड़े भाई) के नाम से विख्यात बोकारो के तत्कालीन विधायक एवं झारखंड सरकार के विज्ञान व प्रौद्योगिकी मंत्री समरेश सिंह के आग्रह पर भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ एपीजे अब्दुल कलाम बोकारो आये थे और इन दोनों का ड्रीम प्रोजेक्ट था- बोकारो में साइंस सिटी (सेन्टर) की स्थापना की परिकल्पना की गई थी। इसी उद्देश्य के तहत बोकारो के कैम्प-2 स्थित सूचना भवन के बगल में साइंस सेन्टर का भवन निर्माण प्रारम्भ हुआ। लेकिन, आज तक वह अधूरा भवन अपनी दुर्दशा पर आंसू बहाते हुए सरकारी उपेक्षा की कहानी बयां कर रहा है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दूरदर्शी सोच को धरातल पर उतारने के उद्देश्य से बोकारो में साइंस सिटी (सेन्टर) बनाने की स्वीकृति मिली और उन दिनों इस प्रोजेक्ट की अनुमानित लागत करीब 100 करोड़ रुपए आंकी जा रही है। लेकिन, राजनीतिक कारणों से या यूं कहें कि दिवंगत डॉ अब्दुल कलाम और समरेश सिंह के सपनों पर पानी फेरने की नीयत से बोकारो के लिए स्वीकृत इस प्रोजेक्ट को यहां से बाहर पश्चिम बंगाल की सीमा से सटे सिन्दरी में लगाने की तैयारी की जा रही है। जानकारों की मानें तो लगभग 18 वर्षों के बाद भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ एपीजे अब्दुल कलाम और पूर्व मंत्री समरेश सिंह के साथ-साथ बोकारो वासियों का यह सपना जब पूरा होने का समय आया तो उसे यहां से बाहर ले जाने का षडयंत्र रचा गया है।

सवाल उठता है कि जब बोकारो में इसके लिए जमीन उपलब्ध है, यहां ज्ञान-विज्ञान के क्षेत्र में धनी व्यक्तित्व की भरमार है तो फिर मिनी इंडिया के नाम से विख्यात बोकारो को साइंस सिटी (सेन्टर) की सुविधा से आखिर क्यों वंचित किया जा रहा है? सवाल यह भी है कि जब बोकारो के बच्चे आज देश-विदेश में विभिन्न क्षेत्रों में अपना योगदान देकर अपने देश और प्रदेश का नाम रोशन कर रहे हैं तो बोकारो के साथ यह साजिश क्यों?

डॉ. कलाम और दादा के सपनों को कुचलने का होगा विरोध : श्वेता सिंह

फाइल फोटो

इधर, बोकारो विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस प्रत्याशी रहीं समरेश सिंह की बहू और कांग्रेस नेत्री श्वेता सिंह ने बोकारो में प्रस्तावित साइंस सिटी (सेन्टर) को अन्यत्र ले जाने की साजिश का खुला विरोध किया है। उन्होंने राज्य सरकार के 20 सूत्री प्रभारी मंत्री को एक पत्र लिखकर कहा है कि आदरणीय स्वर्गीय समरेश सिंह के प्रयास से झारखंड के बोकारो में साइंस सिटी (सेन्टर) बनाने का प्रस्वात पारित हुआ था, जो तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ एपीजे अब्दुल कलाम के सहयोग से पूरा हो पाया था। आज 18 साल बाद जब उन दोनों दिवंगत नेताओं का सपना पूरा होने जा रहा था, तब इस योजना को केन्द्र सरकार और काउन्सिल ऑफ साइंस एवं म्यूजियम की मिलीभगत से बोकारो से बाहर पश्चिम बंगाल बॉर्डर पर सिन्दरी ले जाया जा रहा है, जो सर्वथा अनुचित है। उन्होंने लिखा है कि डॉ कलाम और समरेश सिंह की ही दूरदृष्टि का परिणाम था कि बोकारो जिले को इस साइंस सिटी (सेन्टर) के लिए सबसे उपयुक्त पाया गया था, परन्तु इसके विपरीत जो प्रयास किये जा रहे हैं, उसका वह पुरजोर विरोध करती हैं। उन्होंने इस मामले में झारखंड सरकार से हस्तक्षेप करने की मांग की है, ताकि बोकारो वासियों का यह सपना पूरा हो सके।

मोदी की इच्छा के विपरीत काम कर रहे अफसर : झा

इधर, 'खुशहाल बोकारो' के नारे के साथ समाज की सेवा में लगे बोकारो स्टील प्लांट के पूर्व अभियंता व समाजसेवी अमरेन्द्र कुमार झा ने भी बोकारो के लिए स्वीकृत साइंस सेन्टर को यहां से बाहर ले जाने का कड़ा विरोध किया है। श्री झा ने कहा कि नई शिक्षा नीति केन्द्र सरकार ने जो लागू की है, वह बहुत ही प्रैक्टिकल है। आज बच्चा-बच्चा समझता है कि कम्प्यूटर के बिना कोई रिसर्च, पढ़ाई या काम नहीं हो सकता, ठीक उसी तरह से आर्टिफिसियल इंटेलिजेंस, साइंस टेक्नोलॉजी इंजीनियरिंग एंड मैथ हरेक बच्चे को उपलब्ध कराना है। क्योंकि, आगे आने वाले समय में यही उपयोगी होगा। लेकिन, दुर्भाग्यपूर्ण और सबसे ज्यादा चौंकाने वाली बात यह है कि प्रधानमंत्री मोदी जी कुछ बोलते हैं और यहां जमीन पर काम करने वाले अधिकारी, सांसद-विधायक कुछ करते हैं। इसका ताजा उदाहरण है- बोकारो में स्वीकृत साइंस सेन्टर, जिसके बारे में यहां के बहुत सारे अधिकारी जानते भी नहीं थे। बोकारो के सूचना भवन के बगल में एक नंगा मकान है, जिसकी नींव समरेश सिंह और डॉ कलाम ने डाली थी, बोकारो के लोगों के ज्ञान-विज्ञान, यहां की पढ़ाई और यहां के बच्चों की प्रतिभा को देखते हुए कलाम साहब इसे 'इसरो' की तरह एक सेन्टर बनाना चाहते थे। लेकिन, वह 18 साल से अधूरा है, पूरा नहीं हो सका है। जबकि, साइंस एण्ड म्यूजियम के **(शेष पेज- 7 पर)**

उपलब्धि नई दिल्ली में गृहमंत्री अमित शाह के हाथों 'एक्सीलेंस इन गवर्नेंस अवॉर्ड' से नवाजे गए, बधाइयों का लगा है तांता

राष्ट्रीय पटल पर फिर गौरवान्वित हुआ बोकारो उपायुक्त कुलदीप चौधरी ने बढ़ाया जिले का मान

- जिले में सौर ऊर्जा आधारित कृषि को बढ़ावा देने के लिए मिला राष्ट्रीय सम्मान

संवाददाता
बोकारो : बोकारो जिला एक बार फिर राष्ट्रीय फलक पर गौरवान्वित हुआ है। जिले के उपायुक्त कुलदीप चौधरी ने जिले के प्रशासनिक इतिहास में एक नया इतिहास रच दिया। नई दिल्ली में गृह मंत्री अमित शाह के हाथों वह सम्मानित हुए और राष्ट्रीय पटल पर बोकारो और झारखंड का मान बढ़ाया। 'इंडियन एक्सप्रेस ग्रुप' की ओर से आयोजित वार्षिक पुरस्कार समारोह के दौरान देशभर से बेहतरीन काम करने वाले डिस्ट्रिक्ट मजिस्ट्रेट को सम्मानित किया गया। इनमें बोकारो के डीसी कुलदीप चौधरी भी एक्सीलेंस इन गवर्नेंस अवार्ड से नवाजे गए। बोकारो जिले में सोलर ऊर्जा आधारित लिफ्ट इरिगेशन टेक्निक से कृषि को बढ़ावा दिए जाने और किसानों को सशक्त बनाने के लिए चौधरी को सम्मानित किया गया।

36 सोलर इरिगेशन यूनिट से 820 किसानों को बनाया स्वावलंबी

उल्लेखनीय कि जिले में 36 ऐसी सौर ऊर्जा आधारित लिफ्ट इरिगेशन इकाई स्थापित कर उपायुक्त श्री चौधरी के प्रयासों से 820 किसानों को स्वावलंबी बनाया गया है। पुनर्चक्रण ऊर्जा के इस बेहतरीन इस्तेमाल के लिए उन्हें ऊर्जा कैटेगरी में यह प्रदान किया गया। देश भर के 19 अलग-अलग कैटेगरी में 29 राज्यों के 183 जिलों से 400 से अधिक आवेदन मिले थे।

– संपादकीय –

देशद्रोह का सनसनीखेज खुलासा

पॉपुलर फ्रंट ऑफ इन्डिया (पीएफआई) के कारनामों का जो सनसनीखेज खुलासा नेशनल राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने किया है, वह सर्वधर्म समभाव की भावना वाले देश भारत के लिए निश्चय ही गंभीर चिन्ता का विषय है। राष्ट्रीय जांच एजेन्सी (एनआईए) ने भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) के नेता प्रवीण कटारू की हत्या के सिलसिले में बेंगलुरु के विशेष न्यायालय में जो आरोप-पत्र दाखिल किया है, उसमें पीआईएफ का कच्चा चिट्ठा खोलकर रख दिया है। हालांकि, पीआईएफ की गतिविधियों को लेकर देश में पहले भी कई तरह के सवाल खड़े होते रहे हैं और यही वजह है कि इस संगठन के कारनामों पर देश की विभिन्न जांच एजेन्सियां विशेष रूप से नजर रख रही हैं। बेंगलुरू के विशेष न्यायालय में एनआईए की ओर से दाखिल आरोप-पत्र में कहा गया है कि -'देश में आतंक, धार्मिक तौर पर घृणा और समाज में अशांति पैदा कर पॉपुलर फ्रंट ऑफ इन्डिया (पीएफआई) वर्ष 2027 तक भारत में इस्लाम धर्म की स्थापना करना चाहता था। इसके लिए उसने व्यापक रूप से योजना बनाई थी। इसके लिए गोपनीय दलों का भी गठन किया था, जिन्हें सर्विस टीम या खूनी दस्ता कहा जाता था। इसका काम विभिन्न तरीकों से दुश्मनों का सफाया करना और उन्हें लक्ष्य बनाना था।' एनआईए ने यह आरोप-पत्र दक्षिण कर्नाटक के दक्षिण कन्नड़ जिले में 26 जुलाई 2022 को भाजयुमो नेता प्रवीण नेटारू की हत्या के सिलसिले में दाखिल किया है। दरअसल, कटारू की हत्या धारदार हथियारों से खुलेआम कर दी गई थी। इस हत्या का उद्देश्य समुदाय विशेष को आतंकित करना था। आरोप-पत्र में पीआईएफ के 20 सदस्यों के नाम हैं, जिनकी हत्या के अपराध में सक्रिय भूमिका थी। ये सभी लोग संगठन की सर्विस टीम के सदस्य थे और हथियारों के इंतजाम किये थे, हमले का प्रशिक्षण दिया और सर्विलांस के जरिये लक्ष्य की उपस्थिति सुनिश्चित कर उन पर हमला किया। एनआईए ने आरोप-पत्र में कहा कि सर्विस टीम के सदस्य हमले और हत्या के लिए पीएफआई के वरिष्ठ नेताओं के निर्देश पर कार्य करते थे। नेटारू की हत्या के सिलसिले में बेंगलुरू शहर, सुलिया कस्बे और वेल्लोर गांव में पीएफआई के नेताओं व कार्यकर्ताओं की बैठकें हुई थीं। एनआईए ने इस मामले में 14 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि छह अन्य फरार हैं। उल्लेखनीय है कि कुछ दिन पूर्व देश में पीएफआई से जुड़े लोगों के विभिन्न ठिकानों पर एनआईए ने एक साथ छापामारी की थी। उस समय भी इस बात का खुलासा हुआ था कि देशद्रोही ताकतें किस तरह भारत को इस्लामिक राष्ट्र बनाने की दिशा में सक्रिय हैं। गजबा-ए-हिन्द जैसे नारे भी इनके मंसूबे में शामिल हैं। इसलिए जरूरत इस बात की है कि समय रहते केन्द्र व राज्य सरकारों के साथ-साथ भारत के सभी राजनीतिक दलों को इस मुद्दे पर सावधान हो जाना चाहिए। इस मुद्दे पर किसी भी स्थिति में वोट की राजनीति नहीं होनी चाहिए। क्योंकि, किसी भी धर्म से बड़ा राष्ट्र-धर्म है और अगर राष्ट्र ही नहीं बचा तो इस देश में राजनीतिज्ञों का अस्तित्व भी समाप्त हो जाएगा।

आप अपने विचार अथवा अपनी रचनाएं हमें निम्नलिखित ई–मेल पर भेज सकते हैं–
mithilavarnan@gmail.com, Contact : 9431379234
Join us on /mithilavarnan
Visit us on : www.varnanlive.com
(किसी भी कानूनी विवाद का निबटारा केवल बोकारो कोर्ट में ही होगा।)

पराक्रम की प्रेरणा नेताजी सुभाष

23 जनवरी : जयंती पर विशेष

राष्ट्रीय आंदोलन में भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के महानायक, आजाद हिन्द फौज के संस्थापक और जय हिन्द का नारा देने वाले नेताजी सुभाषचन्द्र बोस के दिये योगदान को भुलाया नहीं जा सकता। नेताजी का जन्म 23 जनवरी 1897 को कटक में हुआ। अपनी विशिष्ठ वाक क्षमता, शानदार व्यक्तित्व और नेतृत्व क्षमता से उन्होंने भारतीय इतिहास में अपनी अमिट छाप छोड़ी है। आजादी की लड़ाई में नेताजी की भूमिका एक सामाजिक क्रांतिकारी की रही है। सुभाषचन्द्र बोस का जन्म उस समय हुआ, जब भारत में अहिंसा और असहयोग आंदोलन अपनी प्रारंभिक अवस्था में थे। इन आंदोलनों ने नेताजी के जीवन पर गहरा असर डाला, जिससे प्रेरित होकर उन्होंने भारत छोड़ो आंदोलन में सक्रिय भूमिका निभाई। शुरूआत में सुभाषचन्द्र बोस की इच्छा देश सेवा करने की थी, परन्तु परिवार की वजह से उन्हें विदेश जाना पड़ा। पिता के आदेश पर नेताजी ने लंदन के कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय में अध्ययन किया और भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईसीएस) की परीक्षा उत्तीर्ण की। परन्तु देश सेवा करने का मन बना चुके नेताजी ने आईसीएस से त्याग पत्रा दिया और भारत लौट आये। भारत आकर वे देशबंधु चितरंजन दास के सम्पर्क में आए और उन्हें अपना गुरु मान लिया। नेताजी ने चितरंजन दास के साथ कई अहम कार्य किए और वे भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के साथ जुड़ गए। स्वतंत्राता संग्राम के दौरान सुभाषचन्द्र बोस की सराहना हर तरफ होने लगी और देखते ही देखते वह एक लोकप्रिय युवा नेता बन गए।

आजाद हिन्द फौज का विस्तार

सन् 1938 में नेताजी ने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष के रूप में निर्वाचित होने के बाद राष्ट्रीय योजना आयोग का गठन किया। नेताजी शुरू से ही तेज-तर्रार छवि के माने जाते थे। गर्म और क्रांतिकारी स्वभाव के सुभाषजी को कांग्रेस का नर्म व्यवहार पसंद नहीं आया और उन्होंने 29 अप्रैल 1939 को कांग्रेस से त्यागपत्र दे दिया और 3 मई 1939 को कोलकाता में फारवर्ड ब्लॉक की स्थापना की। इसी बीच सितंबर 1939 में द्वितीय विश्वयुद्ध छिड़ गया। नेताजी का मानना था कि अंग्रेजों के दुश्मनों से मिलकर देश को आजाद बनाया जा सकता है। इसी दौरान ब्रिटिश सरकार ने सुभाषचन्द्र बोस के आंदोलन से भयभीत होकर उन्हें गिरफ्तार कर उनके घर में ही उन्हें नजरबंद कर दिया, लेकिन फिर भी नेताजी अपने अदम्य साहस और सूझबूझ का परिचय देते हुए वहां से भाग निकले। नेताजी वेश बदल-बदलकर अफगानिस्तान होते हुए जर्मनी पहुंचे। उन्होंने जर्मनी में रहकर भारत को स्वतंत्र कराने के लिए प्रयास शुरू कर दिया। उन्होंने जर्मनी और जापान से भारत को आजाद कराने की सहायता मांगी। जर्मनी में भारतीयों को इकट्ठा कर भारतीय स्वतंत्रता संगठन और आजाद हिन्द रेडियो की स्थापना की। यहीं पर सुभाष बाबू का नाम नेताजी पड़ा। इसके बाद जून, 1943 में वे जर्मनी से जापान आ गये और आजाद हिन्द फौज के विस्तार में जुट गये और कैप्टन मोहन सिंह की जगह आजाद हिन्द फौज की कमान अपने हाथों में ले ली। उन्होंने अपनी फौज में महिलाओं के लिए भी एक रेजिमेंट बनाई, जिसे झांसी की रानी रेजिमेंट कहा गया और लक्ष्मी सहगल को इसका कैप्टन बनाया। नेताजी ने अनेक भाषण करके वहां के स्थानीय भारतीय लोगों से आजाद हिन्द फौज में शामिल होने और आर्थिक मदद करने का आह्वान किया और संदेश दिया कि ''तुम मुझे खून दो मैं तुम्हें आजादी दूंगा।'' द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान नेताजी के नेतृत्व में आजाद हिन्द फौज और जापानी सेना के सहयोग से भारत में ब्रिटिश हुकूमत के विरुद्ध आक्रमण कर दिया और अपनी फौज को प्रेरित करने के लिए दिल्ली चलो का नारा दिया। दोनों फौजों ने मिलकर अंग्रेजों से अंडमान और निकोबार द्वीप जीत लिये। इसके बाद दोनों फौजों ने इम्फाल और कोहिमा पर हमला किया, लेकिन अंग्रेजी फौजों के सामने यहां से आगे न बढ़ सकी।

सर्वप्रथम गांधीजी को कहा- 'राष्ट्रपिता'

नेताजी सुभाषचन्द्र बोस ने 6 जुलाई, 1944 को बर्मा की राजधानी रंगून से आजाद हिन्द रेडियो पर अपने भाषण के माध्यम से गांधीजी को संबोधित करते हुए जापान से सहयोग लेने और आजाद हिन्द फौज की स्थापना के उद्देश्य के बारे में बताया। इस भाषण के दौरान उन्होंने महात्मा गांधी को सर्वप्रथम 'राष्ट्रपिता' कहकर संबोधित किया और कहा कि भले ही मेरे और गांधीजी के विचार भिन्न-भिन्न हों, लेकिन हमारा उद्देश्य एक है- भारत की आजादी।

सर्वस्व किया न्यौछावर

द्वितीय विश्वयुद्ध में जापान की हार के बाद नेताजी को नया ठिकाना ढूंढ़ना पड़ रहा था। इसी दौरान रूस जाते वक्त ताइवान में एक विमान दुर्घटना में उनकी मृत्यु की बात कही जाती है, परन्तु यह आज भी रहस्य है कि वे उस विमान में थे भी या नहीं। आजाद हिन्द फौज के माध्यम से भारत को अंग्रेजी हुकूमत से आजाद कराने का नेताजी का प्रयास भले ही प्रत्यक्ष रूप से सफल नहीं हो सका, परन्तु इसका दूरगामी परिणाम हुआ। सन् 1946 का नौसेना विद्रोह इसका उदाहरण है। नौसेना विद्रोह के बाद ही ब्रिटेन को विश्वास हो गया था कि अब भारतीय सेना के बल पर भारत में शासन नहीं किया जा सकता और भारत को स्वतंत्र करने के अलावा और कोई विकल्प नहीं है। आजादी की लड़ाई में नेताजी के योगदान और उनके संघर्ष को कभी नहीं भुलाया जा सकता। नेताजी ने भारत को आजाद कराने का जो संकल्प लिया था, उसे पूरा करने के लिए उन्होंने अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दिया।

– प्रस्तुति : गंगेश

वन्दे मातरम

भारत तेरी जय हो।
जय हो, जय हो, जय हो।
विश्व के कोने-कोने में गूंजे
मंगलमय जयघोष तुम्हारा
भारत तेरी जय हो, जय हो।
हर दिन हर पल पल-पल हो
हे आर्यावर्त उत्कर्ष तुम्हारा
भारत तेरी जय हो, जय हो।।

विमल ज्ञान की ज्योति जले
अज्ञान तमिश्रा पर उज्ज्वल
हो प्रभा ज्ञान का पुंज तुम्हारा
खिले विश्व शान्ति-तड़ाग में
अगणित पुष्प कमल हमारा
भारत तेरी जय हो जय हो

शीतल सुवासित मलय बहे
हो हृदय सभी का पावन,
निर्मल, निश्छल, स्वच्छ बने
समूल कलुषित कुविचार हटे
भारत तेरी जय हो, जय हो।

हर दिल, हर धड़कन में
रोम-रोम हर फड़कन में
सांसों की सरगम में तेरा ही
प्रेम पीयूष का अभिसिंचन हो
स्वर लहरी में शांति का गुंजन
पथ प्रगति उन्नति सृजन हो
भारत तेरी जय हो, जय हो।

भारत तेरी जय हो, जय हो
ऋषि मुनियों की पावन धरती
करुणा,दया, प्रेम की प्रतिमूर्ति
शांति-सुधा से रोम-रोम हो
जिनकी आप्लावित सिंचित
ज्ञान, योग, वैराग्य, अध्यात्म
त्याग, तपस्या की तपस्थली
वन्दन नमन तुम्हे है भारत
हे देव भूमि, विश्वगुरु भारत
त्वमेव वन्दे वन्दे हे मतरम
जय हो, जय हो, वेद मातरम।

तेरी जय हो, जय हो तेरी
शस्य स्यामलम सुजलाम
सुफलम मलयज शीतलाम
वन्देमातरम वन्देमातरम।

– प्रो. अरुण श्रीवास्तव –

स्वदेशी के बिना देश का विकास संभव नहीं : शाही

बोकारो में राष्ट्रप्रेम का अलख जगा रहा स्वदेशी स्वावलंबन मेला

संवाददाता

बोकारो : स्वदेशी वस्तुओं के जरिए नगरवासियों में राष्ट्रप्रेम का अलख जगाने को दो साल बाद बोकारो में स्वदेशी मेला का आयोजन चल रहा है। इस मेले में देशज विभिन्न कंपनियों के उत्पादों के दर्जनों स्टॉल लगाए गए हैं। सात-दिवसीय इस्पातांचल स्वदेशी स्वावलंबन मेला का उद्घाटन अतिथियों ने भारत माता की प्रतिमा पर आगत अतिथियों द्वारा पुष्पार्जन व सभागार में भारत माता, दत्तोपंत ठेंगड़ी व महात्मा गांधी की तस्वीर के निकट दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम का संचालन मंच के प्रांत संपर्क प्रमुख अजय चौधरी दीपक ने किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे विश्व हिन्दू परिषद (विहिप) के न्यासी जगन्नाथ शाही ने कहा कि स्वदेशी के बिना देश का विकास संभव नहीं है। स्वदेशी भारत की संस्कृति रही है। हमारा अपना इतिहास है, जो पूरी दुनिया में एक मिसाल है। संपूर्ण विश्व में इसकी कोई तुलना नहीं। बीएसएल के अधिशासी निदेशक (कार्मिक व प्रशासन) अमिताभ श्रीवास्तव ने भारतीयता और स्वदेशी भावना का अन्योन्नाश्रय संबंध बताया।

राष्ट्रीयता की भावना जगाता है स्वदेशी : हर्षनाथ

विशिष्ट अभ्यागत सीसीएल के निदेशक हर्षनाथ मिश्रा ने कहा कि वह स्वदेशी जागरण मंच के स्थापना काल से ही जुड़े हैं, क्योंकि स्वदेशी स्व से जुड़ने का सबसे सशक्त माध्यम है। खुद पर गर्व करने के साथ-साथ राष्ट्रीयता की भावना का जागरण होता है। मंच के क्षेत्रीय संयोजक कार्यक्रम के मुख्य वक्ता सचिंद्र कुमार बरियार ने कहा - मंच का संकल्प है कि 2030 तक भारत से बेरोजगारी को समाप्त कर देना है। इसके लिए देश के युवाओं को स्वावलंबन की ओर अग्रसर होना होगा। स्वावलंबन की दिशा में मंच की ओर से गांव-गांव, शहर-शहर रोजगार सृजन केंद्र शुरू किया जा रहा है। इसके माध्यम से युवाओं के स्वावलंबन की दिशा में बेहतर कार्य किया जा रहा है। प्रारंभ में सरस्वती विद्या मंदिर की छात्राओं ने स्वागत गान प्रस्तुत किया। इसके बाद आगत अतिथियों को मंच के कार्यकर्ताओं द्वारा अंग वस्त्र व श्रीफल देकर सम्मानित किया गया। मौके पर विवेकानंद झा, हर्षवर्धन मिश्रा, अवधेश कुमार सिंह, मनीष श्रीवास्तव, प्रवीण कुमार चौधरी, अरविंद सिंह, अजय सिंह, रंजना श्रीवास्तव, अनिता सिंह, मंजू सिन्हा सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

स्वदेशी राष्ट्र की आत्मा : बिरंची

बोकारो विधायक बिरंची नारायण ने कहा कि राष्ट्र की आत्मा को बचाना है तो स्वदेशी को अपनाना नितांत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि हम स्वदेशी की एक वस्तु लेते हैं परंतु इस एक वस्तु के पीछे कितनों का परिवार का भरण पोषण होता है, इस भाव का भी जागरण बेहद जरूरी है।

स्वदेशी मेला में संगीत संध्या में कलाकारों ने बांधा समां

बोकारो के सेक्टर- 4 मजदूर मैदान में जारी इस्पातांचल स्वदेशी स्वावलंबन मेला के दौरान स्वरागिनी म्यूजिकल ग्रुप के तत्वावधान में संगीत संध्या का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सुप्रसिद्ध गायक अरुण पाठक ने 'मेरा प्यार वो है... ', 'जाने बहार हुस्न तेरा बेमिसाल है... ', 'प्रेम के पुजारी हम हैं रस के भिखारी... ' व गायिका कमलेश्वरी एवं रागिनी सिन्हा के साथ 'ऐ मेरे वतन के लोगों जरा आंख में भर लो पानी...' की सुमधुर प्रस्तुति से समां बांध दिया। रमण चौधरी ने 'सरफरोशी की तमन्ना अब हमारे दिल में है... ', 'हम तुमसे जुदा होके... ', 'दिल क्या करे जब किसी को... ', गुलाम ने 'पर्दा है पर्दा... ', 'जग घुमिया.. ', कमलेश्वरी ने 'आओ हुजूर तुमको सितारों में ले चलूं.. ', 'जुबी जुबी... ', अशोक सिंह ने 'समां है सुहाना...' व कमलेश्वरी के साथ युगल गीत 'आप के आ जाने से...', के पी सीनियर ने 'तेरे दर्द से दिल आबाद रहा... ', डॉ ओम प्रकाश त्रिवेदी ने 'जाने हम सड़क के लोगों से...', 'हम काले हैं तो क्या हुआ दिलवाले हैं... ', कृष्णा व रॉपी ने 'किसी से तुम प्यार करो... ' सुनाकर श्रोताओं को आनंदित किया। कार्यक्रम में मंच संचालन ओम प्रकाश उर्फ छोटू ने तथा अंत में धन्यवाद ज्ञापन रागिनी सिन्हा अंबष्ठ ने किया।

आकर्षण का केंद्र बना वेदांता-ईएसएल का जीविका स्टॉल

बोकारो के सेक्टर 4 में चल रहे स्वदेशी स्वावलंबन मेले में स्थानीय हस्तशिल्प कारीगरों को अपने काम को बड़े पैमाने पर प्रदर्शित करने का अवसर मिल रहा है। इनमें वेदांता-ईएसएल सीएसआर के प्रोजेक्ट जीविका की महिलाएं भी शामिल हैं, जो अपने स्टॉल पर अपने हस्तशिल्प जैसे बांस के उत्पाद, कपड़े, मशरूम, मुरी आदि प्रदर्शित कर रही हैं, जिन्हें मामूली दामों पर खरीदा जा सकता है। उनका स्टॉल आकर्षण का केंद्र बना है। स्वदेशी मेला एक आत्मनिर्भर भारत बनाने की विचारधारा को संपन्न करने की दिशा में एक अनूठा कदम है। यह मेला 18 से 25 जनवरी 2023 तक सुबह 10 बजे से रात 8 बजे तक लगा हुआ है। इस मेले में लोग जीविका प्रोजेक्ट की महिलाओं द्वारा बनाये गए उत्पाद मिरि सर्किल ऐप पर भी बुक कर सकते हैं। यह एक अनूठा कदम है जो डिजिटल इंडिया को संभव बनाने की दिशा में योगदान दे रहा है। इस तरह की प्रदर्शनियां आम जनता को स्थानीय शिल्पकारों के करीब लाती हैं और उनका आर्थिक रूप से समर्थन करने का मौका देती हैं। स्थानीय शिल्प को बढ़ावा देने और महिलाओं को सामाजिक एवं आर्थिक सशक्तिकरण प्रदान करने के विचार के समानांतर वेदांता-ईएसएल के प्रोजेक्ट जीविका ने हजार से अधिक महिलाओं के जीवन को सफलतापूर्वक प्रभावित किया है और एक समान समाज बनाने की दिशा प्रदान करता रहा है।

दुस्साहस इस्पातनगरी की खूबसूरती पर चोरों की काली नजर, 'हैप्पी स्ट्रीट' उखाड़ ले गए

बोकारो की खुशहाली के दुश्मन बने लोहा चोर

कार्यालय संवाददाता

बोकारो : ग्लोबल एक्टिव पार्नटर सिटी के तहत बोकारो में खेल, स्वास्थ्य एवं मनोरंजन की विविध स्पर्धाओं के जरिए खुशहाली की एक नई राह शुरू की गई। हैप्पी स्ट्रीट के नाम से सेक्टर-4 गांधी चौक और बोकारो मॉल तक की सड़क का नामांकरण किया गया और हैप्पी स्ट्रीट लिखा लोहे का ढांचा भी स्थापित किया गया। लेकिन, बोकारो में चोरों का उत्पात इस कदर है कि उन्हें बोकारो की यह खुशहाली भी मंजूर नहीं। हाल ही में चोर उसे भी जड़ समेत ऐसे काट ले गए, जैसे वहां उस चीज का अस्तित्व ही नहीं कभी रहा हो।

पत्थरकट्टा चौक और गांधी चौक, इन दो जगहों पर लोहे के एंगल पर अंग्रेजी के बड़े-बड़े अक्षरों में 'हैप्पी स्ट्रीट' लिखवाया था, जो पीले रंग का था और देखने में भी काफी खूबसूरत लगता था। लेकिन, इन दोनों में से पत्थरकट्टा चौक पर लगे 'हैप्पी स्ट्रीट' को चोरों ने चुरा लिया है। ये चोर जमीन से ही लोहे के इन नेम प्लेट्स को काटकर पूरा का पूरा अपने साथ ले गए। गौरतलब है कि बोकारो में लोहा चोरी की घटनाओं में लगातार इजाफा हो रहा है। सड़क किनारे लगे लोहे के ग्रिल की चोरी तो टाउनशिप में पहले से ही बड़े पैमाने पर हो ही रही है। अब चोरों ने बोकारो के 'हैप्पी स्ट्रीट' को भी नहीं छोड़ा। जिस प्रकार हाई सिक्योरिटी जोन में यह घटना हुई, उसे देखते हुए चर्चा है कि क्या पता कल को बीएसएल के होर्डिंग्स और प्लांट के मेन गेट को ही चोर काट ले जाएं। जिस जगह चोरों ने 'हैप्पी स्ट्रीट' की चोरी की, वहां से स्थानीय थाना बहुत दूर नहीं। लेकिन,.....!

गौरतलब है कि बीते 27 नवंबर से बोकारो में खुशनुमा सुबह की शुरुआत हुई थी। उसी दिन से बोकारो इस्पात संयंत्र (बीएसएल) ने 'हैप्पी स्ट्रीट' का आयोजन शुरू किया था। इसके अंतर्गत बोकारो मॉल से गांधी चौक तक की सड़क की एक लेन को रविवार सवेरे 2 घंटे (सुबह 6 से 8 बजे) के लिए लोगों के मौज मस्ती और व्यायाम के लिए बंद कर दिया जाता है। बीएसएल ने इस कार्यक्रम का नाम हैप्पी स्ट्रीट रखा है। इसे लेकर बैनर, पोस्टर, डिस्प्ले लगाकर सड़क का लुक बदलते हुए उसे एक सुंदर रूप दिया था। हर रविवार को आयोजित हो रहे हैप्पी स्ट्रीट में सैकड़ों की संख्या में लोग भाग लेते हैं।

अवैध कब्जे पर कसता शिकंजा

कार्यालय संवाददाता

बोकारो : बीएसएल आवासों पर अवैध कब्जे के खिलाफ बोकारो स्टील के संपदा न्यायालय की सख्ती एक बार फिर तेज हो गई है। बीते हफ्ते अवैध कब्जे खिलाफ सघन अभियान चलाकर घर खाली कराने के साथ-साथ उनके सामान भी जब्त कर लिए गए। बीते हफ्ते 4 दिन में 40 घर खाली कराए गए। शुक्रवार को दंडाधिकारी दीपक कुजूर की अगुवाई में कुल 10 आवासों को खाली कराया गया। इनमें सेक्टर-4जी स्थित आवास संख्या- 4087 व 4137, 6बी में क्वार्टर नंबर 1170, 6डी में 1132, 1367, 1368, 2236, 2446, 2445 तथा सेक्टर-4ई में 1126 शामिल रहे। गुरुवार को 12 आवास खाली कराए गए। इनमें सेक्टर- 5सी स्थित आवास संख्या- 1117 व 1210, सेक्टर-9ए में क्वार्टर नंबर 0650, 0120, 9डी में 1482, 11डी में 2279, 12बी में 4023, 4046, 4048, 4052, 4101 और 12एफ में क्वार्टर नंबर 2037 को खाली कराया गया।

बुधवार को सेक्टर-12 के विभिन्न क्षेत्रों में कुल नौ आवास खाली कराए गए। सेक्टर-12ए ई टाइप में आवास संख्या 1209, 1305 व 1308, 12सी ई टाइप में 2084 व 3140, 12सी डी टाइप आवासों में क्वार्टर नंबर 3146, 3237 व 2153 तथा 12ई के ई टाइप आवास 3094 को खाली कराया गया। मंगलवार को सात आवास खाली कराए गए। इनमें क्वार्टर नंबर सेक्टर- 01बी/1421, 01बी/1426, 01बी/1675, 01बी/1755, 02बी/2446, 02बी/3187 तथा 02सी/4111 शामिल थे। मजिस्ट्रेट और बीएसएल अधिकारियों की मौजूदगी में होमगार्ड के जवानों ने आवास खाली कराकर उन्हें सील कर दिया।

प्राकृतिक खेती किसान, फसल और स्वास्थ्य के लिए है बेहतर : डॉ. लंबोदर

संवाददाता

बोकारो : झारखण्ड व बंगाल सीमा स्थित मुरहुलसुदी पंचायत के तीन दिवसीय सेवाती टुसू मेला का समापन कृषि प्रशिक्षण मेला के साथ हुआ। कृषि प्रशिक्षण मेला के बतौर मुख्य अतिथि गोमिया विधायक डॉ. लंबोदर महतो, कृषि विज्ञान केन्द्र पेटरवार बोकारो के वैज्ञानिक डॉ. अनिल कुमार, मुरहुलसुदी मुखिया सरिता देवी, उपमुखिया उमा देवी, पंसस हेमंती देवी, संस्था प्रदान की टीम लीडर जुबा उद्घाटन के मौके पर मुख्य रूप से उपस्थित थीं। बतौर मुख्य अतिथि डॉ. लंबोदर ने किसानों को सम्बोधित करते हुए कहा कि प्राकृतिक खेती किसान, फसल और मानव शरीर के लिए बेहतर होगा। उन्होंने किसानों से प्राकृतिक खेती करने की अपील की। डॉ. महतो ने यह भी कहा कि खेती जहां किसानों को कम बजट में बेहतर फसल और ज्यादा मुनाफा मिलेगा।

कृषि विज्ञान केन्द्र पेटरवार बोकारो के वैज्ञानिक डॉ. अनिल कुमार ने किसानों को प्राकृतिक खेती को लेकर विस्तार से बताते हुए रासायनिक खाद आदि सामग्री उपयोग में कमी करते हुए किसान प्राकृतिक विधि से फसल उत्पादन करने की सीख दी।

वैज्ञानिक डॉ. अनिल ने यह भी कहा कि प्राकृतिक खेती का इस्तेमाल करके खेत की उर्वर शक्ति बढ़ा सकते हैं। खेतों की जीवाणु संख्या बढ़ेगी, जिससे जमीन के अंदर फास्फोरस व पोटाश उपलब्ध हो जाता है। उन्होंने कहा कि वातावरण में जो नाइट्रोजन है, जो पौधों को आसानी से उपलब्ध हो जाता है। मौके पर श्रीधर महतो, मनोज महतो, उमेश मुण्डा, रूपेश महतो ,नरेश महतो, संस्था प्रदान के पुष्कर, बैजनाथ, हिमांशु, श्यामल, आलोक, किसान रामकुमार, सुशेन, साधु चरण, शैलेश, बबीता, पुष्पा, मीना, विभा, उर्मिला, सुनीता सैकड़ों लोग समापन के मौके पर उपस्थित थे।

ध्वस्त की जाएंगी डीवीसी बोकारो थर्मल की दो अनुपयोगी डॉरमेट्री

बोकारो थर्मल : बोकारो थर्मल रेलवे स्टेशन के समीप डीवीसी के दो अनुपयोगी डारमेट्री को ध्वस्त करने को लेकर मंजूरी मिलने के बाद इसकी प्रक्रिया आरंभ कर दी गई है। इस संबंध में डीवीसी के स्थानीय डीजीएम नीरज सिन्हा ने पत्रांक 06 के तहत सूचना जारी की है। डीजीएम ने जारी सूचना में लिखा है कि कार्यकारी निदेशक सिविल मैथन के निर्गत आदेश के तहत बोकारो थर्मल के अनुपयोगी एवं असुरक्षित घोषित दो और तीन नंबर डारमेट्री के सभी आवासों को ध्वस्त करने की मंजूरी दी जा चुकी है। इसके पूर्व डीवीसी बीटीपीएस प्रबंधन ने दो और तीन नंबर डारमेट्री की जर्जर स्थिति को देखते हुए उसमें रहनेवाले सभी कर्मचारियों को दूसरे आवासों में शिफ्ट कर आवासों को खाली करवा दिया गया था। साथ ही समय-समय पर दोनों डारमेट्री के सभी आवासों पर नोटिस चिपका दिया गया था। जारी सूचना में वर्णित है कि बावजूद दोनों डारमेट्री में अवैध रूप से कोई व्यक्ति रह रहा हो तो वह आवास को 31 जनवरी तक खाली कर दें, अन्यथा किसी भी प्रकार की घटना के लिए वह स्वयं जिम्मेवार होंगे।

लिखा है कि 1 फरवरी को उक्त दोनों डारमेट्री के सभी आवासों की बिजली एवं पानी काटकर दरवाजा एवं खिड़की निकाल दी जाएगी। विदित है कि डीवीसी प्रबंधन द्वारा दोनों अनुपयोगी डॉरमेट्री में रहनेवाले कर्मचारियों से आवासों को खाली करवाकर अन्यत्र शिफ्ट करने के बाद ज्यादातर आवासों पर अवैध कब्जाधारियों ने कब्जा जमा रखा है।

डिजिटल इंडिया झारखंड से रैंक- 1 पानेवाले दोनों बच्चे इसी स्कूल से, हर माह मिलेगी छात्रवृत्ति

फिर नया इतिहास... सीएससी ओलंपियाड में देशभर में डीपीएस बोकारो से सर्वाधिक 9 विद्यार्थी रहे सफल

संवाददाता

बोकारो : डीपीएस (दिल्ली पब्लिक स्कूल) बोकारो के विद्यार्थियों ने एक बार फिर अपनी मेधाविता का परचम राष्ट्रीय स्तर पर लहराते हुए नया इतिहास रचा है। भारत सरकार की डिजिटल इंडिया योजना के तहत विद्यालय पाठ्यक्रम पर आधारित सीएससी (कॉमन सर्विस सेंटर) ओलंपियाड में इस विद्यालय के कुल नौ छात्र-छात्राओं ने सफलता हासिल की है। बता दें कि पूरे देश में सर्वाधिक नौ विद्यार्थी केवल डीपीएस बोकारो से ही सफल हुए हैं। यह अपने-आप में एक रिकॉर्ड है। कक्षा 3 से 12वीं तक के विद्यार्थियों के लिए आयोजित इस परीक्षा में पूरे झारखंड से केवल 2 विद्यार्थियों को रैंक- 1 मिला और दोनों ही परीक्षार्थी इसी स्कूल के रहे। इसी प्रकार, राज्यभर में रैंक 2 हासिल करने वाले 5 विद्यार्थियों में से 4 और रैंक 3 पाने वाले 5 छात्र-छात्राओं में से तीन डीपीएस बोकारो के ही शामिल हैं। इस विद्यालय से कक्षा- 3 के अक्षत प्रियदर्शी एवं 10वीं की छात्रा श्रेष्ठा रूपम द्विवेदी को रैंक 1, तीसरी कक्षा के हर्षित चंदन, आर्यमन शौर्य, कक्षा- 4 के आरूष एवं आठवीं के छात्र शुभ को रैंक 2 मिला। वहीं, रैंक 3 पाने वाले विद्यार्थियों में कक्षा- 4 की समीक्षा गुप्ता, पांचवीं की आर्या एवं छठी की छात्रा आराध्या सिंह के नाम शामिल हैं।

रैंक 1 पाने वाले विद्यार्थियों को एक वर्ष तक प्रतिमाह 1800 रुपए, रैंक 2 वालों को 1200 रुपए तथा रैंक 3 लाने वालों को 600 रुपए छात्रवृत्ति के रूप में दिए जाएंगे। नवंबर 2022 में ऑनलाइन मोड में सीएससी ओलंपियाड की परीक्षा हुई थी। इसमें अंग्रेजी, गणित, हिंदी, विज्ञान एवं साइबर सुरक्षा से संबंधित 5 मॉक टेस्ट के आधार पर अंतिम दौर के लिए परीक्षार्थियों का चयन किया गया। इसका उद्देश्य छात्रवृत्ति के माध्यम से बच्चों की पढ़ाई में सहायता के साथ-साथ उनकी प्रतिभा को एक ग्लोबल मंच प्रदान करना भी है। देशभर से इस परीक्षा में पांच लाख से अधिक प्रतिभागी शामिल हुए थे।

प्राचार्य डॉ. ए. एस. गंगवार ने इस ओलंपियाड में सफल रहे सभी विद्यार्थियों को पुरस्कृत कर प्रोत्साहित किया और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि डीपीएस बोकारो बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के प्रति कटिबद्ध रहा है।

हफ्ते की हलचल

कक्षा-प्रबंधन और रोचकपूर्ण अध्यापन का दिया प्रशिक्षण

बोकारो : चिन्मय विद्यालय के सभागार में कक्षा सातवीं से बारहवीं तक के शिक्षकों के लिए कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का शुभारंभ विद्यालय सचिव महेश त्रिपाठी व प्राचार्य सूरज शर्मा ने मंत्रोच्चारण के साथ दीप जलाकर किया। कार्यशाला में पांच विभिन्न विषयों पर उल्लेख किया गया। सर्वप्रथम सुषमा सिंह ने क्लासरूम मैनेजमेंट पर चर्चा करते हुए कहा कि अपनी कार्यशैली व अनुभव से पूरी कक्षा को उपयोगी बनाना है, साथ ही प्रत्येक बच्चे का उसकी जिज्ञासा के अनुरूप उनके प्रश्नों का समाधान किया जाए। रुपाली श्रीवास्तव ने मल्टीपल इंटेलिजेंस पर चर्चा की। हर बच्चा खास होता है, प्रत्येक बच्चे में इस खास गुण होता है। हमें अपने शिक्षण पद्धति के माध्यम से उस बच्चे को प्रशिक्षण देना व उसके हुनर को निखारने के प्रयास करते रहना है। राहुल रॉय ने आज के आधुनिक काल के अनुसार डिजिटल लिटरेसी की जानकारी दी। डिजिटल लेन- देन की जानकारी देते हुए बताया कि कैसे आज धोखाधड़ी से बचा जाए। रागिनी मिश्रा ने कहा दिव्यांग बच्चों को उचित शिक्षा देने में पहल करें। अंशु उपाध्याय ने गेमीफिकेशन इन लर्निंग विषय पर विस्तारपूर्वक बताते हुए कहा कि एक गैर गेम वातावरण में गेम जैसे तत्वों को जोड़ने का कार्य शिक्षकों को करना है। सुप्रिया चौधरी ने कार्यशाला का संचालन किया।

नरक निवारण चतुर्दशी पर पूजे गए पार्थिव महादेव

बोकारो : नगर के सेक्टर-2डी स्थित श्यामा माई मंदिर में नरक निवारण चतुर्दशी के अवसर पर पार्थिव शिवलिंग के पूजन-अर्चन का भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। सिमरिया स्थित गंगा घाट से मंदिर से गए भक्तों के जत्थे द्वारा लाई गई गंगोट (गंगा तल की मिट्टी) से महिलाएं सुबह से ही पार्थिव शिवलिंग बनाने में जुट गईं। शिवलिंग बनाने के बाद भगवती काली की पूजा हुई। फिर दोपहर में महादेव का पूजन किया गया। आचार्य पं. योगेंद्र मिश्र के निर्देशन में पं. चंचल झा, गोविंद झा, गौरी झा एवं अन्य पुरोहितों ने विधि-विधान के साथ शिवलिंग-पूजन का कार्यक्रम संपन्न कराया। मां काली पूजन और सांब सदाशिव पूजन के दौरान मैया और महादेव की जय-जयकार से इलाका गूंजता रहा। संध्या 7 बजे आरती, विसर्जन और प्रसाद वितरण का आयोजन किया गया। पूरे अनुष्ठान के क्रम में श्यामा माई मंदिर और आसपास का पूरा वातावरण हर-हर महादेव और वैदिक मंत्रों से गुंजरित होता रहा।

हड़ताल की सफलता को लेकर बैंककर्मी हुए गोलबंद

बोकारो : आगामी 30-31 जनवरी को घोषित दो-दिवसीय बैंक हड़ताल को सफल करने एवं अपनी मांगों के समर्थन में घोषित आंदोलनात्मक कार्यक्रमों के आलोक में बैंक में कार्यरत सभी यूनियनों के संयुक्त फोरम यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियन्स (यूएफबीयू) के बैनर तले चास-बोकारो के सभी बैंककर्मी एकजुट हो चुके हैं। इसी कड़ी में उन्होंने सैकड़ों की संख्या में उपस्थित होकर स्थानीय भारतीय स्टेट बैंक, सेक्टर- 4, सिटी सेंटर के सामने विशाल प्रदर्शन किया। मौके पर यूएफबीयू के जिला संयोजक एसएन दास ने कहा कि हमारी मांगों में जल्द से जल्द सम्मानजनक वेतन, ग्राहक सेवा में सुधार के लिए सभी संवर्ग में समुचित बहाली, नई पेंशन योजना को खत्म कर पुरानी पेंशन योजना बहाल करने, अवशिष्ट मुद्दों का समाधान, पिछले सेवानिवृत्त कर्मचारियों के लिए पेंशन का अद्यतन शामिल है। यदि सरकार एवं आईबीए हमारी मांगों पर जल्द से जल्द सकारात्मक रुख नहीं अपनाती है तो हमें आंदोलन को और तीव्र करना होगा एवं 30 एवं 31 जनवरी 2023 की हड़ताल को पूर्ण सफल करना होगा। हम सभी लक्ष्य की प्राप्ति तक अपने संघर्ष को और भी तीव्रतर करते रहेंगे। लड़ाई लंबी है, हम सबको एक होकर प्रबंधन के मनमानी रवैया को चकनाचूर करना होगा। कार्यक्रम को राघव कुमार सिंह, मनोज कुमार, मिथिलेश कुमार, राजेश कुमार ओझा, राजकुमार, विभाष झा, राजेश श्रीवास्तव, प्रदीप झा, अवधेश प्रसाद, राकेश मिश्रा, रामजी कुमार, प्रतीक कुमार, राजकुमार प्रसाद, चंद्रावती मुर्मू, प्रियंका कुमारी आदि ने भी संबोधित किया।

डीवीसीकर्मी के आकस्मिक निधन पर शोकसभा

चंद्रपुरा : डीवीसी सीटीपीएस के कर्मी चंचल चटर्जी के आकस्मिक निधन पर शनिवार को शोकसभा आयोजित की गई। दामोदर घाटी निगम चंद्रपुरा ताप विद्युत केंद्र प्रबंधन द्वारा शोकसभा में सीटीपीएस सेफ्टी पार्क के समीप मुख्य अभियंता एवं परियोजना प्रधान सुनील कुमार पांडेय सहित डीवीसी के कई वरीय अधिकारियों व कर्मियों ने शोक संवेदना व्यक्त करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की। सभी लोगों ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति हेतु ईश्वर से प्रार्थना की। मौके पर उप महाप्रबंधक (प्रशासन) टीटी दास, उपमुख्य अभियंता संजीव कुमार, संजय कुमार, अपर निदेशक दिलीप कुमार, रविंद्र कुमार, अनिल सिंह आदि मौजूद रहे।

झारखंड का गौरव रांची का मौसम विज्ञान केंद्र

अभिषेक आनंद का नेतृत्व लाया रंग, देश में सर्वश्रेष्ठ सेंटर घोषित

कार्यालय संवाददाता

रांची : रांची स्थित मौसम विज्ञान केन्द्र ने अपनी कार्यकुशलता से झारखंड का मान राष्ट्रीय पटल पर गौरवान्वित किया है। निदेशक अभिषेक आनंद का प्रयास और उनकी कुशल अगुवाई रंग लायी और इस केंद्र ने यह राष्ट्रीय उपलब्धि प्राप्त की। यह निश्चय ही पूरे राज्य के लिए एक महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक गौरव है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के 148वें स्थापना दिवस पर दिल्ली में आयोजित एक समारोह में मौसम केंद्र रांची को सम्मानित किया गया। रांची स्थित मौसम केंद्र के प्रमुख अभिषेक आनंद ने नयी दिल्ली में लोदी रोड स्थित मौसम भवन के 'वृष्टि सभागार' में सर्वश्रेष्ठ मौसम केंद्र का पुरस्कार ग्रहण किया। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. जितेंद्र सिंह कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे। भारत मौसम विज्ञान विभाग की ओर से मौसम भवन में आयोजित कार्यक्रम के दौरान सुरकंडा जी, मुरारी देवी, जोत और बनिहाल टॉप के डॉपलर वेदर रडार का उद्घाटन भी किया गया। साथ ही कई प्रकाशनों का विमोचन हुआ। इसके बाद पुरस्कार वितरण किया गया। अभिषेक आनंद ने इस उपलब्धि को टीमवर्क का परिणाम बताते हुए आगे भी बेहतरी का प्रयास लगातार जारी रखने की बात कही।

सटीक भविष्यवाणियों के कारण मिला पुरस्कार

उल्लेखनीय है कि पिछले एक साल में मौसम केंद्र रांची ने राज्य के मौसम की कई सटीक भविष्यवाणियां की। इनमें चक्रवाती तूफान से संबंधित भविष्यवाणी भी शामिल है। विमान परिचालन, पर्व त्योहार हो या खेल सभी में मौसम विज्ञान केंद्र की भविष्यवाणी का दखल हो रहा है। ऐसे ही स्टीक पूर्वानुमान के लिए राष्ट्रीय स्तर पर बेस्ट फोरकास्टिग स्टेशन का अवार्ड मिला है। अभिषेक स्वयं बाकायदा भविष्यवाणियों का वीडियो जारी करते हैं।

साढ़े 6 दशक का रहा है गौरवशाली इतिहास

रांची में वेधशाला (मौसम विज्ञान केंद्र) का एक लंबा इतिहास रहा है। इसकी स्थापना 29 सितंबर 1955 को बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, मेसरा के परिसर में हुई थी। बी एम एयरपोर्ट रांची की स्थापना के बाद वेधशाला को मौसम विज्ञान केंद्र पटना के अधिकार क्षेत्र में हवाई अड्डे के परिसर के अंदर स्थानांतरित कर दिया गया था। बाद में, 27 मई 2002 को क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र कोलकाता के तहत झारखंड राज्य के गठन के बाद 15 नवंबर 2000 को झारखंड राज्य के गठन के बाद मौसम विज्ञान केंद्र रांची के रूप में उन्नत किया गया। इसे जुलाई 2005 में अपने स्वयं के आरएसआरडब्ल्यू/ रडार भवन में स्थानांतरित कर दिया गया और सामान्य जनता और सरकार की संबंधित एजेंसियों को मौसम संबंधित जानकारी उपलब्ध कराई जाती है। कृषि, सिंचाई, विमानन, सड़क परिवहन तथा पर्यटन आदि जैसे मौसम संवेदनशील गतिविधियों के इष्टतम संचालन के लिए मौसम पूवार्नुमान तथा चेतावनी जारी की जाती है।

उम्दा नेटवर्क से इन चीजों की मिलती है सटीक जानकारी

मौसम की सटीक जानकारी के लिए रांची मौसम विज्ञान केंद्र के अधीन पूरे राज्य में तापमान, वर्षा, पवन, बादल, दबाव और आर्द्रता डेटा के संग्रह के लिए रांची, जमशेदपुर और डाल्टनगंज में 3 विभागीय वेधशाला है। बोकारो और चाईबासा में 2 अंशकालिक वेधशाला और 19 कार्यात्मक स्वचालित मौसम स्टेशन हैं। वहीं, डीआरएमएस (दैनिक वर्षा निगरानी योजना) के लिए 3 विभागीय वेधशाला और वास्तविक वर्षा के संग्रहण हेतु 90 गैर-विभागीय वेधशाला हैं। रांची मौसम विज्ञान केंद्र में मौसम पूवार्नुमान में उपग्रह रडार अनुप्रयोग के साथ-साथ जीपीएस तकनीक का उपयोग करते हुए रेडियोसोंड एसेंट, संख्यात्मक मौसम भविष्यवाणी, गणितीय मॉडलिंग, मानचित्र आधारित पूवार्नुमान और चेतावनी के लिए जीआईएस, वर्षा डेटा विश्लेषण और उत्पाद तैयार करने के लिए मैकरेन सॉफ्टवेयर आदि का इस्तेमाल किया जाता है।

एसएमएस अलर्ट तक की भी सुविधा

मौसम विज्ञान केंद्र, रांची की ओर से कई नई पहल शुरू की गई है। इसके तहत खराब मौसम की चेतावनी/नाउकास्ट के लिए स्थान आधारित एसएमएस अलर्ट से लोगों को प्रदान करने की सुविधा भी काफी महत्वपूर्ण मानी जा रही है। राजधानी रांची में स्थापित स्मार्ट स्क्रीन पर मौसम की जानकारी प्रदर्शित करने के लिए राज्य सरकार के साथ सहयोग स्थापित किया जा रहा है। इसके अलावा सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं के लिए आकर्षक मौसम सोशल मीडिया प्रोडक्ट्स की भी सुविधा प्रदान की जा रही है। क्षेत्र विशिष्ट प्रभाव आधारित पूवार्नुमान और चेतावनी। जीआईएस आधारित चेतावनी और पूवार्नुमान प्रोडक्ट्स भी उपलब्ध हैं।

विधानसभा अध्यक्ष से मिले समाजसेवी अनिल

रांची/बेरमो : बेरमो के वरीय झामुमो नेता सह- समाजसेवी एवं अखिल भारतीय अग्रवाल कल्याण महासभा के प्रदेश अध्यक्ष अनिल अग्रवाल ने झारखंड विधानसभा के अध्यक्ष रविन्द्र नाथ महतो से उनके रांची स्थित आवास में भेंट कर उनसे कई सामाजिक और क्षेत्रीय कार्य बिंदुओं पर चर्चा की। इस दौरान विधानसभा अध्यक्ष ने श्री अग्रवाल को उनके कार्य बिंदुओं पर आवश्यक पहल करने का भरोसा दिया। मुलाकात के दौरान सर्वप्रथम श्री अग्रवाल ने श्री महतो को फूलों का गुलदस्ता भेंट कर सम्मान प्रकट किया। अपने इस शिष्टाचार मुलाकात की जानकारी देते हुए श्री अग्रवाल ने बताया कि क्षेत्र के कई सामाजिक संगठनों, संस्थानों की कई मांगें और समस्याएं थीं, जिन्हें लेकर विधानसभा अध्यक्ष जी से बातचीत हुई और उन्होंने समस्याओं के समाधान हेतु पहल करने का भरोसा दिया है।

अशोक बने अखिल एकता उद्योग व्यापार मंडल के प्रदेश महासचिव

बोकारो : समाजसेवी सह झारखंड पीपुल्स पार्टी जिला अध्यक्ष बोकारो स प्रभारी गिरिडीह लोक सभा अशोक अग्रवाल आजाद को राष्ट्रीय एनजीओ अखिल एकता उद्योग व्यापार मंडल का झारखंड प्रदेश महासचिव बनाया गया है। एनजीओ के राष्ट्रीय अध्यक्ष संजीव जायसवाल, राष्ट्रीय महासचिव आर्यन शुक्ला और झारखंड हरियाणा प्रभारी शुचि कोठारी आदि ने श्री आजाद को झारखंड प्रदेश महासचिव नियुक्त करते हुए अपनी बधाई दी हैं। पदाधिकारियों ने श्री अग्रवाल के नेतृत्व में एनजीओ के कार्य अच्छी तरह से होने की आशा जताई है। आजाद ने कहा कि अखिल एकता उद्योग व्यापार मंडल प्रदेश में व्यापार और उद्योग जगत में व्याप्त इंस्पेक्टर-राज के विरुद्ध व्यापारी वर्ग को जागृत करेगा। व्यापार जगत को शोषण मुक्त करने का पूरा प्रयास किया जाएगा। श्री आजाद ने एनजीओ के सभी पदाधिकारियों के प्रति आभार जताया है।

पूर्व मंत्री डॉ. रामकृपाल सिन्हा के निधन से क्षेत्र में शोक की लहर

पुपरी : पूर्व मंत्री डॉ. रामकृपाल सिन्हा के निधन पर स्वामी सहजानंद सरस्वती नगर स्थित ज्ञान भारती स्कूल परिसर में पूर्व मुखिया रामसखा चौधरी की अध्यक्षता में शोकसभा आयोजित की गई। वरिष्ठ पत्रकार मदन मोहन ठाकुर ने उनके विराट व्यक्तित्व पर विस्तार से चर्चा की। श्री ठाकुर ने बताया कि 1934 में मुजफ्फरपुर के मटिहानी में जन्मे रामकृपाल बाबू ने आरडीएस कॉलेज मुजफ्फरपुर में अंग्रेजी के प्राध्यापक से अपना करियर शुरू किया था। कालान्तर में मृदुला सिन्हा से इनकी शादी हुई। रामकृपाल बाबू 1968 से 74 तक बिहार विधान परिषद के सदस्य और 1971 में कर्पूरीजी के मुख्यमंत्रित्व काल में कैबिनेट मंत्री बने। अप्रैल 1974 से 1980 तक वह राज्यसभा के सदस्य रहे। 1977 से 79 तक केंद्र में राज्य मंत्री रहे। वह अपनी राज्यपाल पत्नी मृदुला सिन्हा के साथ पुपरी में 16 फरवरी 2015 को ऐतिहासिक स्थल 'स्वामी सहजानंद सरस्वती नगर द्वार' के उद्घाटन के अवसर पर पधारे थे। पिछले कई दिनों से रामकृपाल बाबू से बीमार चल रहे थे और अस्पताल में भर्ती थे। 16 जनवरी को वह अपने पीछे दो पुत्रों, एक पुत्री एवं अपने छोटे भाई अभय कुमार सिंह को छोड़ गए। वक्ताओं ने कहा कि रामकृपाल बाबू का निधन वास्तव में मर्माहत करने वाला और अपूरणीय क्षति है। सभी लोगों ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति हेतु ईश्वर से प्रार्थना की। मौके पर मदन मोहन ठाकुर, रामसखा चौधरी, सुमन कुमार सुमन, राकेश चौधरी, वशिष्ठ नारायण ठाकुर, भूपेंद्र शर्मा, पूर्व मुखिया रामकुमार शर्मा, मुखिया जानीपुर अखिलेश कुमार, प्रमुख प्रतिनिधि अजीत कुमार, गुलाब ठाकुर, कंचन सोनू, चंदन ठाकुर, एस. शांडिल्य आदि मौजूद रहे।

रेलवे स्टेशनों के विकास में सीतामढ़ी की उपेक्षा पर नाराजगी, सांसद से पहल की मांग

सीतामढ़ी : मिथिला क्षेत्र के विभिन्न स्टेशनों को विश्वस्तरीय बनाए जाने की योजना के तहत मां जानकी की भूमि सीतामढ़ी की उपेक्षा को लेकर जिलावासियों में काफी रोष है। उन्होंने इसे दुःखद बताते हुए सीतामढ़ी क्षेत्र के सांसद सुनील कुमार पिन्टू से सकारात्मक पहल किए जाने की मांग की है। विदित हो कि दरभंगा से भाया सीतामढ़ी, रक्सौल होकर नरकटियागंज तक 241 किलोमीटर लंबे रेलखंड का दोहरीकरण होगा। दरभंगा स्टेशन को विश्वस्तरीय बनाते हुए एयरपोर्ट जैसा बनाया जायेगा। इसी क्रम में समस्तीपुर मंडल के 15 अन्य स्टेशन को अमृत भारत प्रोजेक्ट के तहत विश्वस्तरीय बनाया जायेगा। 15 स्टेशनों में 7 नाम पूर्व में ही चयनित हैं, जिनमें समस्तीपुर, मधुबनी, रक्सौल, सहरसा, पूर्णिया, बेतिया और जयनगर शामिल हैं। जबकि, सीतामढ़ी का नाम उसमें शामिल नहीं है।

पुपरी नागरिक मंच सहित विभिन्न संगठनों एवं स्थानीय लोगों ने सीतामढ़ी रेलवे स्टेशन के विकास को धार्मिक पर्यटन के दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण बताया है। उन्होंने कहा कि समस्तीपुर मंडल के इस अमृत भारत प्रोजेक्च की सूची में जगत जननी माता जानकी धाम सीतामढ़ी का नाम शामिल नहीं है। अभी जबकि केंद्र सरकार सीतामढ़ी को रामायण रूट से जोड़ चुकी है और सीतामढ़ी में माता जानकी की दुनिया में सबसे ऊंची 251 फुट की प्रतिमा का निर्माण प्रस्तावित है। साथ ही सीतामढ़ी को धार्मिक पर्यटन के विश्वस्तरीय नक्शे पर लाने का कार्य भी जारी है। ऐसे में पूर्व मध्य रेलवे के समस्तीपुर मंडल के अधिकारियों द्वारा सीतामढ़ी स्टेशन की उपेक्षा समझ से परे है। लोगों ने सांसद से आग्रह करते हुए कहा कि इस विषय पर रेलमंत्री से मिलकर उन्हें सीतामढ़ी का महत्व समझाते हुए सीतामढ़ी को अमृत भारत प्रोजेक्ट सूची में अविलंब शामिल करवाने के दायित्व का निर्वहन करें।

थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों के लिए किया रक्तदान

पुपरी : इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी की उपजिला शाखा पुपरी की ओर से डाक बंगला, पुपरी के परिसर में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों के सहायतार्थ आयोजित इस शिविर में मानवता के रक्षार्थ 38 यूनिट रक्त का संग्रह किया गया। शिविर में रेडक्रॉस की पुपरी शाखा के अध्यक्ष सह अनुमंडल पदाधिकारी, पुपरी नवीन कुमार, पुपरी प्रमुख सुधा देवी, उप प्रमुख मो. मुर्तुजा, लायंस क्लब पुपरी की चेयरपर्सन डॉ. कुमकुम सिन्हा ने रक्तदाताओं को तिरंगा पट्टा, सम्मानपत्र और मोमेंटो प्रदान कर उन्हें प्रोत्साहित किया। पुपरी को रक्तदानियों की भूमि बताते हुए इस आयोजन से जुड़े सभी रक्तदानियों, रक्त योद्धाओं और रक्त केंद्र सदर अस्पताल की पूरी टीम के प्रति रेडक्रॉस सोसायटी की स्थानीय शाखा के सचिव अतुल कुमार ने आभार जताया।

मिथिला डायरी

सरस्वती जयन्ती- 26 जनवरी पर विशेष

सफल जीवन का आधार विद्या-प्रदायिनी सरस्वती

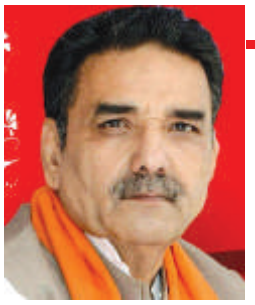

-गुरुदेव श्री नंदकिशोर श्रीमाली-

सृष्टि काल में ईश्वर की इच्छा से आद्याशक्ति ने अपने को पांच भागों में विभक्त कर दिया। राधा, पद्मा, सावित्री, दुर्गा और सरस्वती। श्री कृष्ण के कंठ से उत्पन्न होने वाली देवी का नाम सरस्वती हुआ। ऋग्वेद में भी सरस्वती का वाग्देवी के रूप में विवेचन आया है। ऋग्वेद के 10/125 सूक्त के अष्टम मंत्र के अनुसार वाग्देवी सरस्वती मनुष्य को सौम्य गुणों की दात्री एवं वसु रुद्र इत्यादि देवों की रक्षिका हैं। सृष्टि-निर्माण का कार्य भी वाग्देवी का ही है। वे संसार की निमार्तृ और अधीश्वरी हैं। वाग्देवी सरस्वती सर्वत्र व्याप्त हैं। इनका कोई स्वरूप नहीं है, क्योंकि यह निर्लिप्त, निरंजन और निष्काम हैं। आदि ग्रंथों में विवेचन आया है कि वाग्देवी ही ब्रह्मा स्वरूपा कामधेनु और समस्त देवों की प्रतिनिधि हैं। इन्हीं का स्वरूप विद्या, बुद्धि और सरस्वती है।

माघस्य शुक्ल पंचम्याम विद्यारंभ दिनोदिवा,
पूर्वेहि संयमम कृत्वा तत्र श्यात संवतः शुचि।

माघ मास की शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि को सरस्वती जयंती के रूप में मनाया जाता है। इसे वागीश्वरी जयंती और श्री पंचमी भी कहा जाता है। वेदों में अमित तेजस्वी. अनंत गुणशालिनी देवी सरस्वती की पूजा आराधना के लिए माघ मास की शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि निर्धारित की गई है।

भगवती सरस्वती

इस संसार को गतिमान तो पर ब्रह्म परमात्मा ही कर रहा है। ब्रह्म की शक्ति ही सभी प्राणियों में विद्यमान है, पर यह शक्ति जगत में प्रकट किस रूप में होती है? यह शक्ति जगत में विद्या, बुद्धि, ज्ञान और वाणी के रूप में प्रकट होती है। क्या किसी ऐसे जगत की कल्पना की जा सकती है, जिसमें बुद्धि, ज्ञान और वाणी न हो? ऐसा संसार तो गूंगे-बहरों का अंधकारमय संसार हो जाएगा। जहां ज्ञान नहीं, वहां जागृति नहीं। जहां जागृति नहीं, वहां नवीनता नहीं। जहां नवीन आविष्कार नहीं, वहां चैतन्यता नहीं। जहां चैतन्यता नहीं, वहां जीवन पशुवत हो जाता है, इसीलिए सरस्वती निरंतर अक्षरों के रूप में ज्ञान-अमृत की धारा प्रवाहित करती हैं। सरस्वती का स्वरूप ही शब्दब्रह्म है। संसार में सबसे बड़ी शक्ति ही शब्द ब्रह्म है, जिसके कारण ही जगत का व्यवहार चलता है। शब्द नहीं तो जगत में क्या है? शून्य और शून्य में कोई उत्पत्ति नहीं हो सकती। शून्य मंय कोई तरंगें प्रवाहित नहीं हो सकतीं। इसीलिए, जगत में सरस्वती वाणी के रूप में प्रवाहित होती हैं। वाणी का गुण तो सभी प्राणियों में है, लेकिन जो व्यक्ति अपनी वाणी को, शब्द ब्रह्म को बुद्धि, विद्या और ज्ञान से युक्त कर लेता है, उसके शब्द चैतन्य हो जाते हैं। विद्या, बुद्धि को चैतन्य कर देती है। चैतन्य बुद्धि ज्ञान को प्रकाशित करता है और ज्ञान ही संसार में मनुष्य जीवन का सर्वश्रेष्ठ बल है।

अधीत्येदं यथाशास्त्रं नरो जानाति सत्तमः।
धर्मोपदेशविश्यातं कार्याऽकार्यार्शुभाशुभम्।।

जो व्यक्ति शास्त्रों के नियमों का निरंतर अभ्यास कर-के शिक्षा प्राप्त करता है, उसे सही गलत और शुभ कार्यों का ज्ञान हो जाता है। ऐसे व्यक्ति के पास सर्वोत्तम ज्ञान होता है और ज्ञानवान व्यक्ति ही जीवन में अपार सफलता को प्राप्त करते हैं।

इस विद्या की, ज्ञान की और शब्द की निरंतर उपासना आवश्यक है और ज्ञान की प्रदात्री सरस्वती के लिए विख्यात श्लोक है-

सरस्वती शुक्लवर्णां सस्मितां सुमनोहराम्।।
कोटिचन्द्रप्रभामुष्टपुष्ट श्रीयुक्त विग्रहाम्।
वह्निशुद्धां शुकाधानां वीणापुस्तकधारिणीम्।।
रत्नसारेन्द्रनिर्माणनवभूषणभूषिताम्।
सुपूजितां सुरगणैर्ब्रह्मविष्णुशिवादिभिः।।
वन्दे भक्त्या वन्दितां च मुनीन्द्रमनुमानवैः।।

सरस्वती की उत्पत्ति सत्व गुण से हुई है। महालक्ष्मी की उत्पत्ति रजोगुण से हुई है और महाकाली की उत्पत्ति तमोगुण से हुई है। इसीलिए सरस्वती की उपासना में श्वेत वस्तुओं का विशेष ध्यान रखना चाहिए। सरस्वती की पूजा में अर्पण करने योग्य सांसारिक सामग्री हैं। दूध, दही, मक्खन, सफेद तिल के लड्डू, श्वेत चंदन, श्वेत पुष्प, श्वेत वस्त्र, श्वेत मिष्ठान्न, श्वेत शर्करा, श्वेत धान्य के अक्षत, नारियल, श्रीफल और ऋतु काल के अनुसार उत्पन्न, उद्भव हुए पुष्प और फल।

महर्षि वाल्मीकि, व्यास, वशिष्ठ, विश्वामित्र, शौनक आदि ऋषि सरस्वती साधना से ही कृतार्थ हुए। सरस्वती की उपासना से ही ऋष्यश्रृंग, भारद्वाज देवल तथा जैगीषव्य आदि ऋषियों ने सिद्धि प्राप्त की। जब महर्षि भगवान वेदव्यास ने सरस्वती की उपासना की तो सरस्वती प्रकट हुई और कहा हे व्यास! तुम मेरी

प्रेरणा से रचित वाल्मीकि रामायण पढ़ो, मेरी शक्ति के कारण रामायण सभी काव्यों में सनातन बीज बन गया है।

पठ रामायणं व्यास काव्यबीजं सनातनम्।
यत्र रामचरित्र स्यात् तदहं तत्र शक्तिमान्।।

शब्द ब्रह्म है और शब्द सरस्वती का स्वरूप है। ज्ञान ब्रह्म है और ज्ञान सरस्वती का स्वरूप है और ज्ञान पुस्तक के रूप में ऋषियों द्वारा शब्दों के माध्यम से विवेचित किया गया है, इसीलिए सदैव पुस्तक की पूजा करनी चाहिए, पुस्तक की पूजा ज्ञान की पूजा है, सरस्वती की पूजा है। अपने जीवन में जितनी पुस्तकें पढ़ सकते हैं, जितने मंत्र जप कर सकते हैं, उतने अवश्य करने चाहिए। अपनी वाणी को उचित रूप में प्रयोग लाने हेतु और उसे प्रभावशाली बनाने हेतु सरस्वती की साधना परम आवश्यक है। विद्या और बुद्धि से रहित जीवन अति साधारण जीवन है। ज्ञान, विद्या और बुद्धि से संयुक्त जीवन ही श्रेष्ठ मनुष्य जीवन है, इसीलिए संसार में ज्ञानियों की, बुद्धिमानों की और विद्या प्रदान करने वाले शिक्षकों की, गुरुओं की सर्वत्र पूजा की जाती है, उन्हें सम्मान दिया जाता है।

प्रथमं भारती नाम द्वितीयं च सरस्वती।
तृतीयं शारदा देवी चतुर्थं हंसवाहिनी।।
पंचम जगती ख्याता षष्ठं वागीश्वरी तथा।
सप्तमं कुमुदी प्रोक्ता अष्टम् ब्रह्मचारिणी।।
नवनं बुद्धिदात्री च दशमं वरदायिनी।
एकादशं चन्द्रकान्तिर्द्वादशं भुवनेश्वरी।।
द्वादशैतानि नामानि त्रिसन्ध्यं यः पठेन्नरः।
जिह्वाग्रे वसते नित्यं ब्रह्मरूपा सरस्वती।।

हे ईश्वर, हे सरस्वती हमें ऐसा जीवन दो जो ज्ञान और विज्ञान से परिपूर्ण हो। जीवन के अज्ञात पथ पर ज्ञान और विज्ञान के दीपक को अपने हाथों में रखकर हम उस यात्रा पर निशंक, भयरहित भाव से आगे बढ़ सकें।

आधुनिक शास्त्र, जिसे विज्ञान कहते हैं, वही वेद कहते हैं कि ज्ञान में ही विज्ञान समाया हुआ है। जब तक साधक का विज्ञानमय कोष जाग्रत नहीं होता है तब तक उसे न तो शांति प्राप्त होती है, न संतुष्टि और न ही सफलता।

हर व्यक्ति सृष्टि में बालक ही है, जिसे नित्य प्रति जानकारी भी चाहिए और उस जानकारी का अपने जीवन में उपयोग भी चाहिए। गुरु अपने शिष्य को सदैव यह कहते हैं कि तुम पूरे जीवन विद्यार्थी बने रहो अर्थात् ज्ञान अर्जित करते रहो।

ज्ञान की अधिष्ठात्री हैं सरस्वती और जहां सरस्वती हैं वहां जीवन का समस्त विज्ञान, ज्ञान की सभी कलाएं समाहित हो जाती हैं। लक्ष्मी चंचला है और सरस्वती ब्रह्म स्वरूपिणी स्थायी हैं, इसलिए अपने जीवन को निष्कंटक बनाने के लिए नियमित रूप से सरस्वती साधना अवश्य करें।

(साभार : निखिल मंत्र विज्ञान)

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ) - स्वास्थ्य पर ध्यान दें। मित्रों एवं सम्बंधियों से रिश्ते बनाकर रखें। अकारण यात्रा के योग बनेंगे। धन की हानि हो सकती है। मन में अशांति होगी। सप्ताहांत तक स्थितियों में सुधार।

वृष (ई उ ए ओ वा वी वू वे वो) - स्वास्थ्य पर ध्यान दें। कार्य एवं पद में हानि हो सकती है। वाणी पर संयम रखें। भाग्य में वृद्धि होगी। घरेलू विवाद से बचें।

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा) - स्वास्थ्य में सुधार होगा। नवीन वस्त्रादि का सुख प्राप्त होगा। मन प्रसन्नचित होगा। बन्धुजनों से लाभ होंगे।भाग्य में वृद्धि होगी। पदोन्नति के लिए समय ठीक है। पिता से लाभ प्राप्त होंगे। शत्रुओं पर विजय।

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो) - रोगमुक्त होंगे। गलत चरित्र के लोगों से दूरी बनाएं। कार्यों के सफलता में देर हो सकती है। धनागम के योग बनेंगे। शत्रुओं पर विजय।

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे) - स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। स्त्री से सम्बन्ध सुधरेंगे। मन प्रसन्न रहेगा। शत्रुओं पर विजय होगी। मन में चंचलता रहेगी। उत्तम भोजन एवं वस्त्र सुख प्राप्त होंगे। भाइयों से रिश्ते बनाकर रखें लाभ होगा।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो) - बुरे कर्मों के फल प्राप्त होंगे। शरीर में पीड़ा होगी। बवासीर या अपच का शिकार हो सकते हैं। धन का अधिक खर्च होगा। शत्रुओं से झगड़े होंगे।। मनोकामनाएं पूर्ण हो सकती है।

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते) - स्वास्थ्य में सुधार होंगे। धन की प्राप्ति के योग बनेंगे। व्यापार में अच्छा लाभ होगा। स्त्रीवर्ग से लाभ। तरल पदार्थों से लाभ होगा। उत्तम भोजन,वस्त्र और शय्या सुख की प्राप्ति होगी।

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो या यी यू) - सुख आनन्द का अनुभव करेंगे। रोग मुक्त होंगे। स्वजनों से मनमुटाव होंगे। वाणी पर संयम रखें। शत्रुओं पर विजय प्राप्त होगा। सप्ताहांत में थोडा मानसिक चिंता बढ़ सकती है।

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे) - स्वास्थ्य पर ध्यान दें। व्यवसाय में हानि हो सकती है। भाग्य साथ नही देंगे। सप्ताहांत तक अच्छे समाचार प्राप्त होंगे। राज्याधिकारियों से वाद विवाद हो सकते हैं। स्त्री सुख मिलेगा।

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी) - स्वास्थ्य अच्छा होगा। सभी कार्यों में सफलता मिल सकती है। उच्चाधिकारी प्रसन्न होंगे। मित्रों से सहायता मिलेगी। पदोन्नति होगी। व्यय अधिक हो सकते हैं।

कुम्भ (गू गे गो सा सी सू से सो दा) - स्वास्थ्य पर ध्यान दें। पेट सम्बन्धी समस्या हो सकती है। शत्रु परेशान करेंगे। व्यवसाय में हानि हो सकती है।सप्ताह के मध्य में धन एवं सम्मान की प्राप्ति हो सकती है।

मीन (दी दू थ झ दे दो चा ची) - स्वास्थ्य लाभ होगा। यश और आनन्द की प्राप्ति होगी। शत्रुओं की पराजय होगी। व्यय में अधिकता होगी। वाणिज्य व्यवसाय में लाभ हो सकता है। छोटी पर लाभ दायक यात्रा हो सकती है।

अधिक जानकारी के लिए
संपर्क करें– 7808820251

'अछूत नहीं हूं मैं' - संवेदना को उकेरतीं कविताएं

पुस्तक-समीक्षा

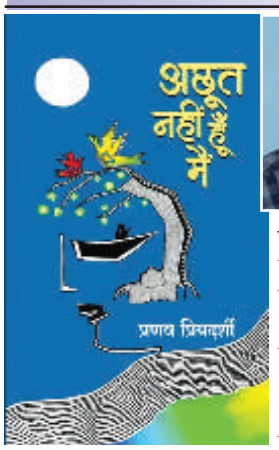

नई दृष्टि और सोच के कवि हैं 'प्रणव प्रियदर्शी'। वह अपनी भाषा और कहन के जरिए अपनी इस सोच को और पुष्ट करते हैं। उनकी कविताएं जिंदगी के यादगार लम्हों को पाठकों की स्मृति में दर्ज करती हैं। कविताएं परंपरा और संस्कारों से सुसज्जित हैं। सहज गति से चलती उनकी कविताएं आत्मा में एक गहरीन पैठ बनाती हैं। 'अछूत नहीं हूं मैं' कविता के माध्यम से कवि चाहता है कि वह प्रकृति की हर संवेदना को आत्मसात करे। उसे बादल, पक्षियों की मुस्कुराहट, चांद की अकुलाहट ये सभी छूते हैं, जो कवि से दूर नजर आते हैं। कविता की सार्थकता ही तभी है, जब हम किसी कविता को पढ़ें और उसके बारे में हर व्यक्ति का नजरिया एक अलग दृष्टिकोण परोसे। कवि ने 'अछूत' जैसे शब्द को भी नई अभिव्यंजना से अलंकृत किया है। रात किरणों को छूकर ढलती है, नदी किनारों को छूकर बहती है, हवा छूती रहती है, मौसम की संवेदना को, कुछ मुझे छूता है, कुछ को मैं छूता हूं।

'कविता से उम्मीद' संग्रह की पहली कविता है, जिसमें कवि ने गहरी संवेदना के साथ समाज की दशा-दिशा को रेखांकित किया है। वह अपने प्रेम को सुरक्षित रखना चाहता है तथा चाहता है कि पत्थरों से भी निर्झर बहे। फूल तलवार पर जीत दर्ज करे। बूंदक पक्षियों की चहचहाहट के आगे झुक जाए।

संवेदनशील व्यक्ति के लिए जिंदगी किसी अपने के प्रति प्रणय निवेदन के प्रत्युत्तर की प्रतीक्षा है। चक्रव्यूह कविता में कवि कहता है कि संवेदना का मर जाना मनुष्य के भीतर के सपनों का मर जाना है : मैं जीना चाहता हूं, इसलिए चक्रव्यूह तोड़ना चाहता हूं, मैं जीना चाहता हूं, इसलिए भी कि संवेदना को मरने से बचा सकूं।

'नदी से पूछना' कविता में कवि की संवेदना नदी के प्रवाह की संवेदना है। यही कारण है कि जब भी कोई नदी बँधती हुई दिखती है, तो वह विचलित हो उठता है : बूंद पड़ी थी पहले भी, मगर उसकी आत्मा से, तीर की तरह गुजर कर, पत्थर पर बिखर गई थी, उसी दिन से नदी भटक रही थी।

इसी क्रम में आगे कवि की कविता 'याद आती है मां' मां के संघर्ष को समझने के क्रम में आगे बढ़ती हुई जो कहती है, वह ध्यान आकृष्ट कराती है : मां कभी नहीं ऊबती, न ही अपने मातृत्व को कोसती।

संग्रह में कुल 204 कविताएं हैं, जो कवि के रागात्मक और वैचारिक लगाव के द्योतक हैं। यह संग्रह जीवन की असाधारण छवियों की शिनाख्त करता है, जो कवि की विशिष्ट काव्य-भाषा का सूचक है। इस संग्रह में अनुभव और सच्चाई से लिपटी कविताएं हैं, जिन्हें पढ़ा जाना चाहिए। ये कविताएं आज के समय की जरूरत हैं।

- चारू मित्रा (राँची, झारखण्ड।)

'जिंदगी से जंग जीतेंगे हम'- सफलता की एक प्रेरणा

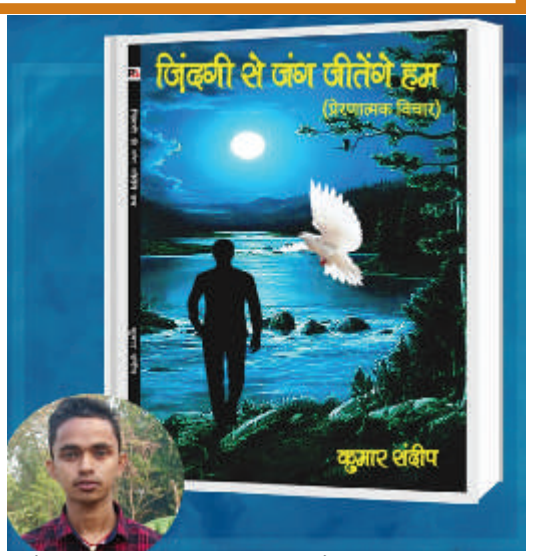

कहा जाता है कि जब इरादे हो बुलंद तो मुश्किलें नहीं करती हैं तंग। जी हां, संदीप का व्यक्तित्व इस कथन को भली-भांति चरितार्थ करता है। संदीप एक बेहद सामान्य परिवार से आते हैं। इनका जन्म बिहार राज्य के मुजफ्फरपुर जिले के सिमरा गांव में हुआ है। संदीप ने पिता श्री के देवलोक गमन के उपरांत कई मुश्किलों से सामना किया है, पर संदीप ने हार ना मानने की जिद की। और इसी का परिणाम है कि संदीप अपने जीवन में मुश्किलों के समक्ष घुटने ना टेकने का नाम लेकर आगे बढ़ते गए। हाल ही में संदीप की खुद की लिखी पुस्तक 'जिंदगी से जंग जीतेंगे हम' 'प्रखर गूंज' पब्लिकेशन द्वारा प्रकाशित हुई है। संदीप ने अपनी इस पुस्तक में 450 प्रेरणात्मक विचार संकलित किए हैं। इस पुस्तक को पढ़कर हर वह शख्स खुद के जीवन में आशा की नयी किरणों को ढूंढ सकता है, जिसकी सोच यह है कि जिंदगी कठिन है। संदीप ने अपनी पुस्तक में लिखा है कि जिम्मेदारी बोझ नहीं, बल्कि इंसान को बेहतर से बेहतरीन बनाने की सर्वोत्तम विधि है। संदीप की इन्हीं प्रेरणादायक विचारों का अनूठा संग्रह है जिंदगी से जंग जीतेंगे हम। संदीप ने कहा है कि अपने परिवार के अपने एक छोटे से सपने को साकार होता देखना मेरे लिए सौभाग्य की बात है। इसका सारा श्रेय जाता है मेरी जन्मदायिनी मां, पूज्यनीय पिता श्री, गुरुजन सहित ज्ञानदायिनी माँ सरस्वती को। संदीप की पुस्तक पाठकों के पठनार्थ अमेजन पर उपलब्ध है।

ज्ञानरस की सरिता बहा रहे ज्ञानेन्द्र मुनि

तेरापंथ समाज के लोग आध्यात्मिक प्रवास का ले रहे लाभ

संवाददाता

बोकारो : श्री जैन तेरापंथ समाज चास-बोकारो की ओर से आचार्य श्री महाश्रमण जी के विद्वान शिष्य श्री ज्ञानेन्द्र मुनि बोकारो और उपशहर चास में लगातार कई दिनों से ज्ञानरस की सरिता प्रवाहित कर रहे हैं। जीवन के मूल्य, नैतिकता, आदर्श सहित विभिन्न चीजों की जानकारी देकर वह सफल जीवन के गुर सिखा रहे हैं। यहां आगमन पर उनके स्वागत-सम्मान में चेकपोस्ट, चास से भव्य जुलूस निकला। इसमें जैन तेरापंथ समाज के दर्जनों महिला-पुरुष शामिल हुए। चेकपोस्ट चास से चलकर वे सेक्टर-2 स्थित जैन मिलन केंद्र पहुंचे। सुबह नौ बजे से कार्यक्रम शुरू हुआ, जिसमें जैन समाज के सभी पंथ के लोग उपस्थित थे। तेरापंथ समाज के अध्यक्ष शांतिलाल लोढा ने मुनिश्री का स्वागत किया। संचालन सुशील बैद व चंदन बांठिया किया गया। तेरापंथ महिला मंडल द्वारा गीतिका प्रस्तुति के उपरांत सभी संतों ने आशीर्वचन प्रदान किया। कार्यक्रम में जैन समाज के लोगों को काफी ऊर्जा और नैतिक मूल्यों के बारे में चर्चा हुई।

मुनि श्री ने कहा कि मानव जीवन में नैतिकता बेहद जरूरी है। जिस मनुष्य में नैतिकता नहीं, उसमें मनुष्यत्व नहीं रह जाता। बच्चों में भी शुरू से ही नैतिकता का बीजारोपण अति आवश्यक है। मौके पर प्रकाश कोठारी, जिंदास मेहता, केविन भाई, सुरेश बोथरा आदि मौजूद रहे। आगे गुजरात कालोनी, चास स्थित जैन भवन में उन्होंने कहा कि जीवन में संयम की कला आ गई, तो सबकुछ बेहतर है। सफल जीवन का यही मूल मंत्र है। मानो तो दुख है, मानो तो सुख है। सबकुछ खुद के संयम पर ही निर्भर करता है।

विदित हो कि मुनिश्री डॉ. ज्ञानेंद्र के साथ और चार जैन संत चास-बोकारो 13 जनवरी से पधारे हुए हैं। प्रतिदिन आध्यात्मिक प्रवास के दौरान अपने प्रवचन से वह जैन समाज के साथ-साथ अन्य समुदाय के लोगों का भी मार्गदर्शन कर रहे हैं। मीडिया प्रभारी सुरेश बोथरा ने बताया कि मुनिश्री और 15 दिन तक यहां रहेंगे। मौके पर किरण, जयचंद जैन, माणिक जैन आदि उपस्थित थे।

चल जंगल चल

चल जंगल चल, चल जंगल
जंगल में संकल्प सना है
दुर्बल होना यहां मना है
शारीरिक बल, बुद्धि का बल
सबको साथ चले ले जंगल
जो कोई दुर्बल पड़ जाय
उसकी होनी नहीं है नैया पार... जंगल
चल जंगल चल, चल जंगल

चल जंगल चल, चल जंगल
पत्थर में पानी के सोते
झुरमुट के चिड़ियों के खोते
वन में क्या-कब-कहां मिलेगा
कौन जो इसका जिम्मा लेगा
जंगल जीवित हैं, धुन में हैं
इनकी मस्ती का है आर न पार... जंगल
चल जंगल चल, चल जंगल

(क्रमशः)

कुमार मनीष अरविन्द

पेज- एक का शेष

मोदी की इच्छा के ...

डायरेक्टर मि. गुप्ता ने मुझे बताया कि बोकारो में साइंस सेन्टर के लिए विभाग से जिला प्रशासन को फंड उपलब्ध करा दिया गया है। यह परियोजना लगभग 100 करोड़ रुपये की होगी। इसके लिए उन्होंने लोगों में जागरुकता फैलाने पर भी जोर दिया। उनका कहना था कि अगर यह बोकारो में बन जाता है को कोलकाता की तरह बिल्कुल ही नया बनेगा।

बोकारो के साथ बड़ी नाइंसाफी

लेकिन, विगत 8 तारीख को दिल्ली से रांची में एक टीम आयी, फिर रांची से सिन्दरी गई और वहां घोषणा कर दी गई कि साइंस सेन्टर की स्थापना सिन्दरी में होगी। यह बोकारो के साथ बहुत बड़ी नाइंसाफी है। जबकि, मोदी जी का स्पष्ट निर्देश है कि इस तरह के प्रोजेक्ट राजनीतिक कारणों से किसी क्षेत्र को नहीं दिया जा सकता। फिर भी कलाम साहब और समरेश दादा के ऐतिहासिक प्रयास को एक राजनीतिक साजिश रचकर बंगाल बॉर्डर पर ले जाने की बात हो रही है। वहां कुछ नहीं है, जबकि बोकारो में लाखों बच्चे हैं, शिक्षक हैं, देश-विदेश में साइंस के क्षेत्र में यहां के बच्चे अपना नाम रोशन कर रहे हैं। श्री झा ने इस प्रोजेक्ट को बोकारो से बाहर भेजने का कड़ा विरोध करते हुए आंदोलन चलाने की घोषणा की है।

हर्बल प्रोजेक्ट भी खटाई में

उल्लेखनीय है कि अपनी ऐतिहासिक बोकारो यात्रा के दौरान डॉ कलाम ने बोकारो के चिन्मया विद्यालय में हजारों छात्रों के साथ संवाद स्थापित किया था और यहां के शिक्षा स्तर को समझते हुए उन्होंने कहा था- बोकारो भारत के 5 सर्वोत्तम शहरों में ऊपर है। यहां पर बच्चे वैज्ञानिक सोच के हैं। इसके साथ ही डॉ कलाम ने भारी वर्षा के बीच समरेश सिंह के साथ जिले के चंदनकियारी क्षेत्र के सुदूर इलाके में जाकर वहां हर्बल प्रोजेक्ट (औषधीय पौधशाला) का शिलान्यास किया था। परन्तु राज्य सरकार की अदूरदर्शिता के कारण आज यह परियोजना भी खटाई में पड़ चुकी है। इस प्रकार बोकारो की विकासोन्मुखी परियोजनाओं के साथ अन्याय रुकने का नाम नहीं ले रहा।

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वत्वाधिकारी विजय कुमार झा द्वारा दामिनी प्रिन्टर्स, जेबी.- 12, सिटी सेन्टर, सेक्टर-4, बोकारो से मुद्रित एवं सेक्टर-3बी/94, बोकारो स्टील सिटी (झारखंड) से प्रकाशित। **संपादक : विजय कुमार झा***
प्रबंध संपादक : **कंचन झा**, दिल्ली ब्यूरो : **श्रवण कुमार झा,** फोन/फैक्स : (06542) 246899, E-mail : mithilavarnan@gmail.com, आरएनआई.पंजीयन संख्या : 48973/89 (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिये जिम्मेवार)

बेंगलुरू में जी-20 की पहली ईसीएसडब्लूजी की बैठक 9 से 11 फरवरी को

पर्यावरण और जलवायु निरंतरता पर कई देशों को एक मंच पर लाएगा भारत

ब्यूरो संवाददाता

नई दिल्ली : भारत 30 नवंबर 2023 तक एक वर्ष के लिए जी-20 की अध्यक्षता करेगा। यह फोरम जी-20 के सदस्य देशों, अतिथि देशों और भारत द्वारा आमंत्रित अंतरराष्ट्रीय संगठनों को एक मंच पर लायेगा। शेरपा ट्रैक के माध्यम से प्राथमिकताओं पर चर्चा करने और सिफारिशें करने के लिए भारत की अध्यक्षता में 13 कार्य समूहों और दो कार्य-व्यापार समूह की बैठक होगी। पर्यावरण, जलवायु और वहनीयता, शेरपा ट्रैक के तहत कार्य समूहों में से एक है। पर्यावरण और जलवायु निरंतरता कार्य समूह (ईसीएसडब्लूजी) की चार बैठकें निर्धारित हैं, जिनकी मेजबानी पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय करेगा। ईसीएसडब्ल्यूजी में चर्चा 'तटीय स्थिरता के साथ नीली अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने', 'क्षरित भूमि और पारिस्थितिक तंत्र की बहाली' तथा 'जैव विविधता में वृद्धि' और 'चक्रिय अर्थव्यवस्था को मजबूत करने' पर केंद्रित होगी। पीआईबी के अनुसार भारत की अध्यक्षता में जी-20 की पहली जी-20 पर्यावरण बैठक 09-11 फरवरी के दौरान बेंगलुरु में ताज वेस्ट एंड में आयोजित होगी। बेंगलुरु में पहली बैठक के लिए अग्रणी, मैसूरु चिड़ियाघर ने केंद्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण के सहयोग से 18 और 19 जनवरी 2023 को भारत के चिड़ियाघर निदेशकों के लिए दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया। मैसूरु चिड़ियाघर, भारत में सबसे अच्छे प्रबंधित चिड़ियाघरों में से एक है, जो चिड़ियाघर प्रबंधन में उत्कृष्ट व्यवहारों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए आयोजन-स्थल के रूप में चुना गया। यह चिड़ियाघर के जानवरों को गोद लेने की अनूठी अवधारणा के साथ भारत के दो आत्मनिर्भर चिड़ियाघरों में से एक है। सम्मेलन मुख्य रूप से 'मास्टर प्लानिंग और प्रजातियों के प्रबंधन एवं संरक्षण के लिए राष्ट्रीय क्षमता का निर्माण' पर केंद्रित था। इस सम्मेलन में 25 राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश के 59 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इसका उद्घाटन मैसुरु नगर निगम के महापौर द्वारा किया गया था और संरक्षण व्यवहारों पर ध्यान आकर्षित करने में सफल रहा।

तैयारी और बेहतर समन्वय के लिए, सुश्री लीना नंदन, सचिव, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय और सुश्री वंदिता शर्मा, मुख्य सचिव, कर्नाटक सरकार के बीच 21 जनवरी 2023 को बेंगलुरु में एक बैठक आयोजित की गई। ब्रांडिंग, सुरक्षा, स्थल प्रबंधन, कर्नाटक की परंपराओं को प्रदर्शित करने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रमों आदि और अन्य लॉजिस्टिक्स व्यवस्थाओं आदि से संबंधित पहलुओं पर विचार-विमर्श किया गया। सुश्री नंदन ने राज्य सरकार से बैठक के लिए प्रमुख स्थानों पर ब्रांडिंग स्थान प्रदान करने का अनुरोध किया। केंद्रीय सचिव ने बेंगलुरू और इसके हरे-भरे वातावरण की सराहना करते हुए मुख्य सचिव से बन्नेरघट्टा जैविक उद्यान के लिए जी-20 प्रतिनिधियों के दौरे की सुविधा प्रदान करने का भी अनुरोध किया। मुख्य सचिव ने बेंगलुरु में आयोजित होने वाली पर्यावरण पर जी-20 की पहली बैठक को सफल बनाने के लिए पूर्ण समर्थन का आश्वासन दिया।

केंद्रीय सचिव ने मुख्य सचिव के साथ अपनी चर्चा के दौरान, कर्नाटक राज्य वन विभाग द्वारा सार्वजनिक सेवाओं के तेजी से वितरण और प्राकृतिक संसाधनों की वास्तविक समय की निगरानी सुनिश्चित करने के लिए तैयार किए गए नवीन सूचना प्रौद्योगिकी समाधानों पर प्रकाश डाला और उनकी सराहना की। एक प्रमुख पहल ई-परिहार है। यह एक ऑनलाइन आवेदन है, जो मानव-पशु संघर्ष के मामलों में मुआवजे के दावों के निस्तारण और स्वीकृति में मदद करता है; इस प्रकार, दावों के निस्तारण में पारदर्शिता और दक्षता आई है। इसी तरह, ई-गस्तु एक एंड्रॉइड आधारित प्लेटफॉर्म है। यह वन विभाग के फ्रंटलाइन कर्मचारियों द्वारा किए गए वन गश्ती/क्षेत्र गतिविधियों को दर्ज करता है, जिसे नियमित आधार पर सैटेलाइट इमेजरी पर पर्यवेक्षक अधिकारियों द्वारा देखा जा सकता है। इसी तरह, ई-टिम्बर सुविधा सरकारी टिम्बर डिपो में लगभग वास्तविक समय में लकड़ी के स्टॉक की उपलब्धता बताती है और सरकारी टिम्बर डिपो में लकड़ी/अन्य वन उपज के लिए ई-नीलामी की सुविधा प्रदान करती है। कर्नाटक वन विभाग द्वारा विकसित भू-स्थानिक वन सूचना प्रणाली एक अनूठा मंच है, जो रिमोट सेंसिंग और जीआईएस तकनीक का उपयोग करता है। यह राज्य में सभी अधिसूचित वन भूमि का स्थानिक डेटाबेस प्रदान करता है, जो वन भूमि अधिसूचनाओं, गांव के नक्शे, वन मानचित्रों तक पहुंच प्रदान करता है। वन अग्नि प्रबंधन प्रणाली वन अग्नि की योजना, शमन और विश्लेषण के लिए एक व्यापक समाधान है, जो वन अग्नि जोखिम क्षेत्र मानचित्रण, आग लगने के प्रित संवेदनशील इलाकों का मानचित्रण, जले हुए क्षेत्र का मूल्यांकन पकरता है। इसके साथ ही सक्रिय वन अग्नि सजगता के प्रसार के लिए एक मजबूत प्रणाली के साथ यह सुनिश्चित करता है कि सभी आग की घटनाओं का समयबद्ध तरीके से हल किया जाये और इन घटनाओं को कम किया जाये

जी-20 के प्रतिनिधियों का बेंगलुरु में कालकेरे अबोर्रेटम और बन्नेरघट्टा जैविक उद्यान का दौरा करने का कार्यक्रम है। कालकेरे में, प्रतिनिधियों को कर्नाटक राज्य के चार प्रमुख वन पारिस्थितिक तंत्रों को देखने और अनुभव करने का अवसर मिलेगा। राज्य वन विभाग इन पारिस्थितिक तंत्रों में अपनाए गए वन बहाली मॉडल और इन क्षेत्रों में वन्यजीव जैव विविधता के सफल कायाकल्प का भी प्रदर्शन करेगा। बन्नेरघट्टा जैविक उद्यान प्रतिनिधियों के लिये अत्याधुनिक तितली पार्क और वन्यजीव सफारी पेश करेगा। कर्नाटक वन विभाग, प्रमुख इको-पर्यटन मॉडल, जंगल लॉज रिजॉर्ट को भी पेश करेगा, जो विश्व स्तर पर प्रकृति प्रेमियों में बेहद लोकप्रिय हैं। आयुक्त पर्यटन ने कहा है कि आयोजन स्थल पर मंडपों के माध्यम से कर्नाटक हस्तशिल्प और वस्त्रों की समृद्ध विरासत का प्रदर्शन किया जाएगा। संस्कृति सचिव ने कहा कि नादेश्वरम द्वारा कर्नाटक का कलात्मक चित्रण, अयाना डांस कंपनी द्वारा प्रदर्शन और सुमुख राव द्वारा बांसुरी वादन की योजना बनाई गई है। ये कार्यक्रम कर्नाटक की समृद्ध सांस्कृतिक और कलात्मक विरासत को प्रदर्शित करेंगे। इसके जरिये यह सुनिश्चित किया जायेगा कि प्रतिनिधि अपने साथ कर्नाटक का अनुभव लेकर लौटें। पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के सचिव ने इन पहलों की सराहना की और कहा कि इन्हें अपनाने तथा दोहराने के लिए सभी जी-20 देशों के साथ साझा किया जाएगा।

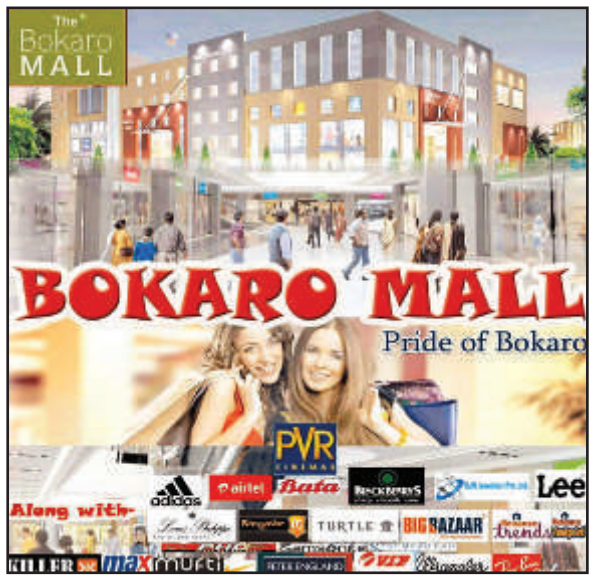

CASHLESS FACILITY CASHLESS FACILITY CASHLESS FACILITY
शिवम् हॉस्पीटल में
सेल के रिटायर्ड कर्मचारियों के लिए
मोतियाबिन्द का ऑपरेशन
एवं लेंस लगाया जाता है।

E-2, LAXMI MARKET, SECTOR-4, B.S.CITY-827004
PH: 06542-232623/233475, MOB: 7488090631

पुराने व जटिल रोगों से हैं परेशान?
होमियोपैथ से निजात पाने के लिये संपर्क करें-
प्रो. डॉ. काशीश्वर किशोर DHMS (Distinction), B.H.M.S (BU).
प्रो. भूपेन्द्र नारायण मंडल होमियोपेथिक मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, सहरसा
पूर्व सदस्य- होमियोपैथिक मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया, नई दिल्ली।
बैठने का स्थान : शॉपिंग सेन्टर, शॉप नं. 58, पहला तल्ला, को-ऑपरेटिव कॉलोनी, बीएस सिटी
(प्रातः 9.30- दोपहर 12.15 एवं संध्या 5.30-6.30)
जर्मन होमियो प्वाइंट, एफ/9, सिटी सेन्टर, सेक्टर-4, बीएस सिटी
(सोमवार से शनिवारः संध्या 7.00-8.30), रविवार (संध्या 5.00-8.30)
Mob.- 9431162319 (Consultation after appointment only).